दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

स्टूडेंट्स के सपनों और संघर्षों से रूबरू ...8

सिद्धार्थनगर
रविवार, 03 मई 2026
वर्ष: 13 अंक : 134 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रुपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

जल जीवन मिशन पर सीएम योगी का बड़ा एक्शन, बोले–
लापरवाही करने वालों की अब खैर नहीं

योगी आदित्यनाथ ने सभी जिला मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिया है कि वे जल जीवन मिशन के अंतर्गत खुदाई कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करें और यह भी सुनिश्चित करें कि काम पूरा होने के बाद खोदी गई सभी सड़कों और गड्ढों को तुरंत बहाल किया जाए। जिला मजिस्ट्रेटों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को अनुपालन की निगरानी के लिए व्यक्तिगत रूप से स्थल निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कर दिया है कि इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। योगी सरकार शहरी केंद्रों से ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वच्छ पेयजल की पहुंच बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है, जिससे जल जीवन मिशन के तहत करोड़ों लोगों को पहले ही लाभ मिल चुका है। मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुसार, सभी जिलों के जिला मजिस्ट्रेटों, मिशन से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों और अन्य संबंधित विभागीय अधिकारियों को खोदी गई सड़कों और गड्ढों की स्थिति का जायजा लेने और उनकी तत्काल मरम्मत सुनिश्चित करने के लिए मौके पर जाकर निरीक्षण करना होगा। उन्होंने दोहराया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बरतने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। देरी, अधूरा काम या कर्तव्य में चूक के लिए जिम्मेदार पाई जाने वाली एजेंसियों और ठेकेदारों पर जुर्माना लगाया जाएगा और उन्हें ब्लैकलिस्ट भी किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जल समाधान पोर्टल पर दर्ज जल आपूर्ति, रिसाव और खुदाई संबंधी शिकायतों के समाधान को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। जल जीवन मिशन के अंतर्गत जल आपूर्ति या मरम्मत कार्य से संबंधित शिकायतों के लिए नागरिक टोल–फ्री हेल्पलाइन 18001212164 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में 25 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल के पानी के कनेक्शन उपलब्ध कराए जा चुके हैं।

विंध्य और बुंदेलखंड क्षेत्रों में लगभग 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया गया है। राज्य सरकार अब मिशन मोड में काम कर रही है ताकि हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाया जा सके।

NÙkhlx<+ ds dkadsj esa uDlfy;ksa dh cM+h lkft'k
आईईडी डिफ्यूज करते वक्त 3 डीआरजी जवान घायल

छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में शनिवार को नक्सलियों द्वारा लगाए गए एक तात्कालिक विस्फोटक उपकरण (आईईडी) के विस्फोट में छत्तीसगढ़ पुलिस के जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के तीन जवान घायल हो गए। यह विस्फोट बारूदी सुरंगों को निष्क्रिय करने के अभियान के दौरान हुआ। एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोट नारायणपुर जिले से सटे एक वन क्षेत्र में हुआ, जहां पुलिस की एक टीम नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी का पता लगाने और उन्हें निष्क्रिय करने के लिए अभियान चला रही थी। एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोटक उपकरण के संपर्क में आने से तीन कर्मी घायल हो गए हैं और उनके उचित चिकित्सा उपचार की व्यवस्था की जा रही है। 31 मार्च को राज्य को नक्सली हिंसा से मुक्त घोषित किए जाने के बाद से नक्सली गतिविधि से जुड़ी यह पहली विस्फोट घटना थी।

भारत नक्सली हिंसा से मुक्तघोषित

भारत को वामपंथी उग्रवाद (नक्सलवाद) से मुक्त घोषित किए जाने के बाद, केंद्र ने प्रभावित क्षेत्रों को नई निगरानी श्रेणियों में पुनर्गठित किया है। 8 अप्रैल को नौ राज्यों को भेजे गए आधिकारिक संदेश के अनुसार, 2015 से चलाए जा रहे निरंतर उग्रवाद–विरोधी अभियानों के परिणामस्वरूप, देश का कोई भी जिला वर्तमान में नक्सल प्रभावित क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत नहीं है। कुल 37 जिलों को अब षविरासत और महत्वपूर्ण जिलेष के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जिसका अर्थ है कि यद्यपि ये जिले अब सक्रिय नक्सली हिंसा से प्रभावित नहीं हैं, फिर भी सुरक्षा और विकास पर निरंतर ध्यान देना आवश्यक है। झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले को षचिंताजनक जिलाष की श्रेणी में रखा गया है, जिसका अर्थ है कि भले ही उग्रवादी नेटवर्क कमजोर हो गए हों, फिर भी सतर्कता की आवश्यकता है। ये 38 जिले नौ राज्यों – आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल – में फैले हुए हैं।

नाबालिग लड़की से बलात्कार और हत्या के आरोपी को मौत की सजा दी जाए: अनिल देशमुख

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के नेता अनिल देशमुख ने शनिवार को पुणे जिले में चार वर्षीय बच्ची के यौन उत्पीड़न और उसकी हत्या के मामले में गिरफ्तार आरोपी के लिए मौत की सजा की मांग की। उन्होंने राज्य और केंद्र सरकारों पर यौन अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए प्रस्तावित शक्ति अधिनियम को लागू करने के मामले में एक–दूसरे पर जिम्मेदारी डालने का भी आरोप लगाया। यह घटना भोर जिले के एक गांव से सामने आई है। पुलिस के अनुसार, 65 वर्षीय आरोपी बच्ची को भोजन का लालच देकर बहला–फुसलाकर मवेशियों के बाड़े में ले गया, जहां उसने उसके साथ यौन उत्पीड़न किया और उसकी हत्या कर दी। इस घटना को बेहद निंदनीय बताते हुए, देशमुख ने एक्स पर कहा कि महाराष्ट्र दिवस पर इस तरह की शर्मनाक घटना का होना राज्य के लिए उचित नहीं है।

काउंटिंग से 48 घंटे पहले फाल्टा में बवाल
सड़कों पर उतरे लोग, टीएमसी पर धमकाने का आरोप

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को शनिवार को सर्वोच्च न्यायालय से झटका लगा, जब न्यायालय ने टीएमसी की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने कलकत्ता उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें चुनाव आयोग के उस निर्देश को चुनौती दी गई थी कि 4 मई को मतगणना केंद्रों पर केवल केंद्रीय बलों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) के कर्मचारियों को ही मतगणना पर्यवेक्षक के रूप में तैनात किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और जॉयमाल्य बागची की दो–न्यायाधीशों की पीठ ने याचिका को खारिज करते हुए कहा कि चुनाव आयोग के परिपत्र को गलत नहीं कहा जा सकता। हालांकि अदालत ने कहा है कि चुनाव आयोग मतगणना कर्मियों का चयन केवल एक ही समूह से कर सकता है, जो कि केंद्र सरकार है, फिर भी 4 मई को मतगणना के दौरान टीएमसी के प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। यह कदम भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा 13 अप्रैल के परिपत्र को अक्षरशः लागू करने के आश्वासन के बाद उठाया गया है। इससे पहले, भाजपा ने टीएमसी के इस कदम की आलोचना करते हुए कहा था कि पश्चिम बंगाल में अधिकांश एग्जिट पोल में भगवा पार्टी की जीत की भविष्यवाणी के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी हताश हैं।

हालांकि, बनर्जी ने एग्जिट पोल के अनुमानों को खारिज करते हुए लगातार चौथी बार सत्ता में वापसी को लेकर आश्वस्त हैं। इस बीच, पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले की दो विधानसभाओं – डायमंड हार्बर और मगराहट पश्चिम – के 15 मतदान केंद्रों पर शनिवार को पुनर्मतदान कराया जा रहा है। चुनाव आयोग ने राज्य चुनाव तंत्र से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर पुनर्मतदान का आदेश दिया था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने चुनाव आयोग से शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि 29 अप्रैल को दूसरे चरण में हुए मतदान में शामिल 15 मतदान केंद्रों पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) से छेड़छाड़, बूथ जाम और धांधली हुई थी। मगराहाट पश्चिम के 11 बूथों और डायमंड हार्बर के चार बूथों पर पुनर्मतदान का आदेश दिया गया था।

नौगढ़ तहसील समाधान दिवस में 41 शिकायतें, डीएम ने समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। शासन की मंशा के अनुरूप प्रथम व तृतीय शनिवार को आयोजित होने वाले सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के तहत तहसील नौगढ़ में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस दौरान राजस्व, विकास, शिक्षा, पूर्ति समेत विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों की सुनवाई की गई, जबकि पुलिस विभाग की शिकायतों की सुनवाई अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ने की। जिलाधिकारी ने पिछले समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों की आख्या का अवलोकन करते हुए आवश्यक मामलों में जिला स्तरीय टीम गठित कर मौके पर जांच के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से भूमि विवादों का मौके पर निरीक्षण कर त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। डीएम ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि तहसील दिवस व आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए तथा जांच शिकायतकर्ता और विपक्षी दोनों की उपस्थिति में की जाए। साथ ही कानूनगो व लेखपालों को भूमि संपत्ति रजिस्टर और भूमि विवाद रजिस्टर तैयार करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी विभाग का कोई भी प्रकरण लंबित नहीं रहना चाहिए, अन्यथा संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। समाधान दिवस में कुल 41 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें राजस्व के 28, पुलिस के 4, विकास का 1, नगर पालिका के 4, आबकारी का 1, एनएच का 1, जल निगम का 1 तथा विद्युत का 1 मामला शामिल रहा। इनमें से राजस्व विभाग के 4 मामलों का मौके पर निस्तारण किया गया, जबकि शेष मामलों के तीन दिन के भीतर निस्तारण के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रजत कुमार चौरसिया, पीडी नागेंद्र मोहन राम त्रिपाठी, जिला विद्यालय निरीक्षक अरुण कुमार, बीएसए शैलेष कुमार, डीएसओ देवेंद्र प्रताप सिंह, तहसीलदार नौगढ़ सहित सभी संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

350 आंगनबाड़ी सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र, हजारों कार्यकत्रियों को स्मार्टफोन वितरण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। अम्बेडकर सभागार में आयोजित कार्यक्रम में आंगनबाड़ी सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र तथा मुख्य सेविकाओं व आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को स्मार्टफोन वितरित किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल ने की, जबकि विधायक बांसी जय प्रताप सिंह, विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा, विधायक डुमरियागंज सैय्यदा खातून, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति रही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद जगदम्बिका पाल ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां और सहायिकाएं कड़ी मेहनत से कार्य कर रही हैं। सरकार द्वारा उन्हें स्मार्टफोन उपलब्ध कराए जा रहे हैं, नए केंद्रों का निर्माण कराया जा रहा है और आवश्यक उपकरण भी दिए जा रहे हैं। उन्होंने कुपोषण मुक्त प्रदेश बनाने के लिए सभी से सक्रिय योगदान देने की अपील की। विधायक जय प्रताप सिंह ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है और आंगनबाड़ी कर्मियों की इसमें अहम भूमिका है। स्मार्टफोन मिलने से कार्य में पारदर्शिता और सुविधा बढ़ेगी। विधायक विनय वर्मा ने कहा कि पारदर्शी प्रक्रिया के तहत सहायिकाओं की भर्ती कर उन्हें नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है। विधायक सैय्यदा खातून ने कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और अपने दायित्वों का बेहतर निर्वहन कर रही हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य ने कहा कि नियुक्ति के बाद कर्मी बच्चों और महिलाओं के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में योगदान दें और योजनाओं का लाभ समय से पहुंचाएं। जनपद में कुल 350 आंगनबाड़ी सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए, जबकि 3140 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और 77 मुख्य सेविकाओं को स्मार्टफोन दिए गए। अंत में मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डीडीओ राजमणि वर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी साहब यादव, समस्त सीडीपीओ सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

रील बनाने के दौरान बड़ा हादसा : टंकी से गिरकर 12 वर्षीय बालक की मौत, दो गंभीर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिला मुख्यालय स्थित कांशीराम आवास कॉलोनी में शनिवार को बड़ा हादसा हो गया, जब 5 बच्चे रील बनाने के लिए करीब 60 फीट ऊंची जर्जर पानी की टंकी पर चढ़ गए। नीचे उतरते समय सीढ़ी टूटने से तीन बच्चे नीचे गिर पड़े, जिसमें एक 12 वर्षीय बालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। दो बच्चे टंकी पर ही फंसे रह गए, जिन्हें सुरक्षित उतारने के लिए गोरखपुर से क्रेन मंगाई गई। घटना की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन और एसएसपी अभिषेक महाजन मौके पर पहुंचे और तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। कई थानों की पुलिस फोर्स भी मौके पर तैनात रही। मृतक की पहचान मोहाना निवासी बाले (12) के रूप में हुई है, जो अपने मौसेरे भाई दीपचंद के घर कांशीराम आवास आया था। शनिवार दोपहर करीब 3 बजे वह पड़ोस के गोलू (15), शनि (11), कल्लू (15) और पवन (16) के साथ टंकी पर चढ़ गया था। कुछ देर बाद जब सभी नीचे उतरने लगे तो जर्जर सीढ़ी अचानक टूट गई, जिससे बाले, शनि और गोलू नीचे गिर गए। बाले के ऊपर सीढ़ी का मलबा गिरने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घायल शनि और गोलू को तत्काल माधव प्रसाद मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है और आईसीयू में उपचार चल रहा है। हादसे के बाद इलाके में अफरा–तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए।

Vh,elh usrk 'kf'k ikatk HkM+dha] cksyha& lqj { kkdehZ fu;e ugha tkurs

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की नेता और श्यामपुकुर से उम्मीदवार शशि पांजा ने शनिवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल में तैनात सुरक्षाकर्मी षनियमों से अनभिज्ञष हैं और ष्हमें हर दिन अपमानित करनेष की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि नियमों के अनुसार उम्मीदवारों को स्ट्रांगरूम का निरीक्षण करने की अनुमति है, इसके बावजूद उन्हें कुछ समय के लिए अंदर जाने से रोक दिया गया। टीएमसी नेता ने आज नेताजी इंडोर स्टेडियम के स्ट्रांगरूम का दौरा किया, जहां उन्होंने बताया कि सुरक्षा अधिकारियों ने पहले उन्हें अंदर नहीं जाने दिया और कहा कि जो लोग पहले से अंदर हैं, उन्हें पहले बाहर आना होगा। उन्होंने कहा कि पुलिस से स्पष्टीकरण मिलने के बाद ही उन्हें अंदर जाने दिया गया। पांजा ने एएनआई को बताया कि बाहर तैनात सुरक्षाकर्मियों को यह भी नहीं पता कि उम्मीदवार अंदर जा सकते हैं। उन्होंने मुझसे कहा कि अंदर गए दो लोगों में से एक के बाहर आने के बाद ही मुझे अंदर जाने दिया जाएगा। फिर पुलिस ने हस्तक्षेप करके उन्हें बताया कि उम्मीदवार को अंदर जाने की अनुमति है... उन्हें नियम नहीं पता और वे हमें हर दिन अपमानित करते हैं। उन्होंने नेताजी इंडोर स्टेडियम के स्ट्रांगरूम में सीसीटीवी कैमरों की कमी का मुद्दा भी उठाया और दावा किया कि अधिकारियों ने उन्हें बताया है कि कैमरे जल्द ही लगाए जाएंगे।

वृक्षारोपण अभियान की तैयारियों का डीएम ने लिया जायजा, नर्सरी का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने वृक्षारोपण अभियान की तैयारियों के तहत वन विभाग की नर्सरी का निरीक्षण कर पौधों की गुणवत्ता, संख्या और रख–रखाव की

स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अभियान को सफल बनाने के लिए पर्याप्त संख्या में गुणवत्तापूर्ण पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और हरित आवरण बढ़ाने के लिए वृक्षारोपण बेहद जरूरी है। उन्होंने नर्सरी में पौधों की उचित सिंचाई, देखभाल और संरक्षण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। साथ ही विभिन्न प्रजातियों के पौधों को प्राथमिकता के आधार पर तैयार करने को कहा, ताकि जनपद में विविधता के साथ वृक्षारोपण किया जा सके। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने स्वयं पौधरोपण भी किया। निरीक्षण के दौरान डीएफओ नीला एम, उपवनाधिकारी बीना तिवारी सहित संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

Mh,e dh vè; { krk esa rglhy mrjkSyk esa laiw.kZ lekèkku fnol laiUu

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। तहसील उतरौला में जिलाधिकारी डॉ विपिन कुमार जैन की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक श्री विकास कुमार उपस्थित रहें। इस अवसर पर जनमानस की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्राप्त प्रार्थना पत्रों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। भूमि विवादों पर विशेष फोकस, संयुक्त टीम को मौके पर निस्तारण के निर्देश जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि भूमि विवाद एवं लॉ एंड ऑर्डर से जुड़े मामलों में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम मौके पर जाकर प्रभावी कार्रवाई करते हुए त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करे। संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने विशेष रूप से ऐसे ग्रामों की पहचान करने के निर्देश दिए, जहां भूमि विवादों के मामले अधिक संख्या में लंबित हैं। उन्होंने कहा कि इन ग्रामों में राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से 'चौपाल' आयोजित कर मौके पर ही शिकायतों का निस्तारण किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि चौपाल के माध्यम से न

केवल विवादों का समाधान किया जाए, बल्कि ग्रामीणों को राजस्व संबंधी प्रक्रियाओं एवं अधिकारों के प्रति भी जागरूक किया जाए, जिससे भविष्य में विवादों की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान प्राप्त कुछ शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया, जबकि अन्य प्रकरणों को संबंधित अधिकारियों को सौंपते हुए निर्देश दिए गए कि वे स्वयं मौके पर जाकर निर्धारित समयावधि में निस्तारण सुनिश्चित करें। कार्यक्रम के अंत में जिलाधिकारी द्वारा प्राप्त समस्त प्रार्थना पत्रों की निस्तारण स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई एवं लंबित मामलों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का समाधान ही प्रशासन की प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। इस दौरान प्रशिक्षु आईएएस शशांक, एसडीएम उतरौला, सीओ उतरौला, मुख्य चिकित्सा अधिकारी,जिला विकास अधिकारी, उपायुक्त मनेरगा,जिला पंचायत राज अधिकारी,जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी व अन्य संबंधित अधिकारी / कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

दीवानी न्यायालय परिसर की दुकानों व वाहन स्टैंड की 12 मई को होगी नीलामी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। माननीय जनपद न्यायाधीश के आदेशानुसार दीवानी न्यायालय सिद्धार्थनगर के मुख्यालय परिसर स्थित कैन्टीन, फोटो कॉपी एवं फोटोग्राफी की दुकान संख्या–01, जनरल स्टोर व बेकरी, पान की दुकान तथा वाहन स्टैंड की नीलामी 12 मई 2026 को अपराह्न 1:30 बजे जनपद न्यायालय के सभागार में कराई जाएगी। नीलामी/ठेका प्रक्रिया में भाग लेने के इच्छुक व्यक्ति निर्धारित तिथि व समय पर उपस्थित होकर नियमानुसार बोली में शामिल हो सकते हैं। यह जानकारी नीलामी समिति के अध्यक्ष एवं विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी एक्ट) त्रिभुवन नाथ ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है।

बुद्ध महोत्सव में वक्ताओं ने दिया प्रेम, करूणा, शांति, शिक्षा के मार्ग का संदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। बुद्ध पूर्णिमा के उपलक्ष्य में डॉ. अम्बेडकर पार्क 'बुद्ध विहार' मड़वानगर में बुद्ध महोत्सव का आयोजन किया गया। बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर महिला सुधार एवं जनकल्याण समिति की संस्थापिका सरोज देवी, श्यामा देवी, अमिता बौद्ध एवं शकुंतला के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में महात्मा बुद्ध के संदेशों पर वक्ताओं ने विचार व्यक्त किया। उपस्थित लोगों ने भगवान बुद्ध के विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। संचालन करते हुये भारत मुक्ति मोर्चा के पूर्वाचल जोन प्रभारी आर. के. आरतियन ने कहा कि महात्मा बुद्ध का जीवन प्रेम, करूणा को समर्पित रहा। उनका जन्म, ज्ञान प्राप्ति और निर्वाण भी पूर्णिमा के ही दिन हुआ। बुद्ध महोत्सव की अध्यक्षता करते हुए हरीराम राव ने भगवान बुद्ध के जीवन और उनके उपदेशों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विश्व को शांति, करुणा और अहिंसा का मार्ग दिखाने का कार्य भगवान बुद्ध ने किया, जो आज भी प्रासंगिक है। सम्मेलन में धम्मदेशना बुद्धिस्ट इंटरनेशनल नेटवर्क के जिला प्रभारी भिक्खु प्रज्ञानन्द द्वारा दिया गया। उन्होंने बुद्ध के धम्म और उनके सिद्धांतों को विस्तार से समझाया। मुख्य अतिथि राम सेवक बौद्ध ने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए लोगों से अपने बच्चों को शिक्षित बनाने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथियों के रूप में भीम दयाल, किशोरी लाल, बहुजन मुक्ति पार्टी मंडल अध्यक्ष हृदय गौतम, तिलकराम गौतम एवं नीलू निगम ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए बुद्ध के आदर्शों को अपनाने का आग्रह किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता रामचेत, बुद्ध प्रकाश एडवोकेट, अमित बौद्ध, एडवोकेट सरिता भारती, महेन्द्र कुमार एवं चन्द्र प्रकाश गौतम ने कहा कि भगवान बुद्ध का संदेश मानवता, समानता और शिक्षा पर आधारित है, जिसे अपनाकर समाज को आगे बढ़ाया जा सकता है। इस दौरान कार्यक्रम में आस्था गौतम, मालती, शकुंतला देवी, रामरति, जगजीवन गौतम, अवनीश गौतम, शशिकांत, बलराम यादव, प्रतीक प्रताप, शरद कुमार, ओम प्रकाश, सुरेश, राम सुरेश सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

मई को दूसरा विवाह करने जा रहा है पतिः विवाहिता ने एसपी से किया अवैध विवाह रोकवाने की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। पहली पत्नी से बिना विवाह विच्छेद के पति द्वारा

आगामी 4 मई को दूसरा विवाह करने के तैयारी का मामला सामने आया है। विवाहिता ने पुलिस अधीक्षक समेत अन्य सम्बंधित अधिकारियों को पत्र देकर दूसरा विवाह रूकवाने की मांग किया है। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र की शेखपुरा निवासिनी खुशबू पत्नी मंगल कुमार ने उच्चाधिकारियों को दिये पत्र में कहा है कि उसका विवाह पिता राकेश कुमार निवासी पड़री थाना रूधौली द्वारा विगत 3 जून 2019 को धूमधाम से मंगल कुमार के साथ हुआ था। उसका पति मंगल कुमार आये दिन पत्नी खुशबू को मारता पीटता था। आये दिन उत्पीड़न के कारण खुशबू अपने पिता के पास रह रही है। उसने अपने पति मंगलकुमार, देवर वृजेश कुमार के विरूद्ध वाल्टरगंज थाने में मुकदमा पंजी.त कराया है और प्रकरण परिवार न्यायालय में लम्बित है। उसका पति बिना विवाह विच्छेद के आगामी 4 मई को लालगंज थाना क्षेत्र के खदरा में घनश्याम की पुत्री रेखा से दूसरा विवाह करने जा रहा है। पत्र में खुशबू ने कहा है कि इस शादी को रेखा की माता प्रभावती देवी, पिता घनश्याम, मौसी रंगीता, बहन सीमा जबरिया विवाह करा रहे हैं। उसने मांग किया है कि बिना विवाह विच्छेद के मंगल कुमार की शादी अवैध है। इसे तत्काल प्रभाव से रोकवाया जाय और दोषियों के विरूद्ध उचित धाराओं में मुकदमा पंजी.त कराकर उसे न्याय दिलाया जाय।

अस्पताल परिसर में अव्यवस्था से मरीज बेहाल, एंबुलेंस संचालन प्रभावित

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। कैसरगंज स्थित ठाकुर हुकुम सिंह सामुदायिक

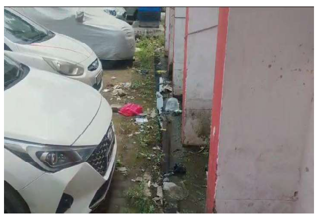

स्वास्थ्य केंद्र इन दिनों गंभीर अव्यवस्थाओं का शिकार बना हुआ है। लखनऊ–बहराइच हाईवे पर स्थित इस अस्पताल के बाहर ठेला व्यवसायियों द्वारा किए गए अतिक्रमण से आए दिन जाम की स्थिति बन रही है, जिससे आवागमन बाधित हो रहा है। अस्पताल परिसर के भीतर भी स्थिति चिंताजनक है। यहां चार पहिया वाहनों का अवैध स्टैंड बना दिया गया है, जिससे एंबुलेंस के आवागमन में भारी दिक्कतें आ रही हैं। कई बार आपात स्थिति में मरीजों को समय पर अस्पताल तक पहुंचाना चुनौती बन जाता है, जिससे उनकी जान पर भी खतरा मंडरा रहा है। इसके अलावा अस्पताल और आसपास के क्षेत्र में फैली गंदगी ने हालात और खराब कर दिए हैं। बजबजाती नालियां, कूड़े के ढेर और अस्वच्छ वातावरण के कारण मरीजों व उनके तीमारदारों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि शासन स्तर पर सफाई कर्मियों की तैनाती के बावजूद व्यवस्था धरातल पर नजर नहीं आ रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस संबंध में कई बार शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या खबर प्रकाशित होने के बाद संबंधित अधिकारी इस गंभीर समस्या पर ध्यान देंगे और व्यवस्था सुधारने के लिए प्रभावी कदम उठाएंगे।

महिला से मारपीट और निर्वस्त्र करने के मामले में दोषियों की गिरतारी की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। गौर थाना क्षेत्र के बुढौवा निवासी रामसुरेश मौर्या पुत्र तिलकराम मौर्या ने बहू भोज कार्यक्रम के दौरान गाड़ी खड़ी कर दिए जाने के मामले में विवाद के बाद, महिला के साथ मारपीट मामले में पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर दोषियों की गिरतारी और मामले में संगीन धाराओं को जोड़े जाने की मांग किया है। रामसुरेश मौर्या ने एसपी को दिये पत्र में कहा है कि उनके घर बहू भोज का कार्यक्रम था। उस दौरान विवाद हुआ। खेत में गाड़ी खड़ी करने व पति के साथ इलाज कराने जा रही महिला के साथ मारपीट करने व निर्वस्त्र करने की कोशिश करने के आरोप में एक पक्ष की तहरीर पर गौर पुलिस ने आरोपी रविंद्र कुमार यादव, राम आशीष यादव, अंकित कुमार, अंकुश यादव, पंकज यादव के खिलाफ मारपीट सहित कई गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। गौर थाना के बुढौवा निवासी पीड़ित ने तहरीर में आरोप लगाया है कि 29 अप्रैल को घर पर बहुभोज का कार्यक्रम था। रिश्तेदार आए थे। बगल में विपक्षी का खेत था, उसी में कुछ लोग खाली खेत देखकर गाड़ी खड़ी कर दिए। तभी गांव के रविंद्र कुमार यादव एवं उनके परिवार के लोग लाठी डंडा लेकर गाली देते हुए खेत से गाड़ी हटाने को लेकर कहासुनी करने लगे। वहां मौजूद कुछ लोगों ने उस दिन दोनों पक्षों को समझा बुझाकर मामले को शांत कर दिया। आरोप है कि दूसरे दिन सुबह वह अपने एक रिश्तेदार के साथ पत्नी और बच्चे को लेकर इलाज करने जा रहे थे, तभी रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे रविंद्र कुमार के परिवार के लोग रोकने की कोशिश करने लगे। गाड़ी न रोकने पर आरोपियों ने बाइक पर पीछे बैठी पत्नी की साड़ी पड़कर खींच ली, जिससे साड़ी खुल गई और नीचे गिर गई। विपक्षी ने लोहे की रॉड से मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने मामला तो दर्ज कर लिया किन्तु दोषियों की गिरतारी नहीं की गई। उसकी बहू सरस्वती मौर्या, पुत्र पंकज कुमार मौर्या जिला अस्पताल में अपना इलाज करा रहे हैं। रामसुरेश मौर्या ने एसपी से मामले में कडी कार्रवाई और अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

श्रमिकों की एकजुटता से ही समस्याओं का होगा समाधान : वक्ता

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। विश्व श्रमिक दिवस के अवसर पर कबीर साहित्य सेवा

संस्थान के अध्यक्ष सामईन फारूकी के संयोजन में कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित गोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि भारत सहित विश्व स्तर पर मजदूर वर्ग लगातार कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहा है। मुख्य अतिथि वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. वी.के. वर्मा ने कहा कि जब देश के मजदूर शिकागो के अमर शहीदों के बलिदान को आत्मसात कर लेंगे, तब मजदूरों पर होने वाले अत्याचार समाप्त होने लगेंगे। उन्होंने बताया कि 8 घंटे कार्य निर्धारित करने का संघर्ष अमेरिका से शुरू होकर आज तक जारी है और अब समय आ गया है कि श्रमिकों को उनके अधिकार मिलें। वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा ने वैश्विक बदलाव, पूंजीपतियों के शोषण और श्रम कानूनों पर चर्चा करते हुए कहा कि भारत के श्रमिक कठिन दौर से गुजर रहे हैं और एकजुटता से ही समस्याओं का समाधान संभव है। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए साहित्यकार डॉ. राम.ष्ण लाल 'जगमग' ने श्रमिकों में एकता की आवश्यकता पर बल दिया। अन्य वक्ताओं.बाबूराम वर्मा, डॉ. वाहिद अली सिद्दीकी, डॉ. अफजल हुसैन, बी.के. मिश्र आदि.ने कहा कि सरकार और मालिकानों का रवैया श्रमिकों के प्रति संवेदनहीन है तथा नए श्रम कानूनों से समस्याएं बढ़ी हैं। कार्यक्रम में दीपक सिंह प्रेमी, नीरज वर्मा, दीनानाथ यादव, अनुरोध श्रीवास्तव, .ष्णचंद्र पाण्डेय, चन्द्रमोहन लाल, छोटेलाल वर्मा, अमरपाल, संजीव पाण्डेय, बाल.ष्ण चौधरी, दीन बंधु उपाध्याय, दीपक श्रीवास्तव सहित कई लोग उपस्थित रहे।

संस्थान रत्न उपाधि से सम्मानित हुए प्रधानाचार्य श्याम देव यादव

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। जनपद में शिक्षा क्षेत्र से जुड़ा एक गौरवपूर्ण क्षण उस

समय देखने को मिला, जब डॉ. सर्वपल्ली राधा.ष्णन एजुकेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल कॉलेज के प्रबंध निदेशक डॉ. राम जी मिश्र द्वारा काशी विश्वनाथ इंटर कॉलेज, खैराकलां गिलौला के प्रधानाचार्य श्यामदेव यादव को "डॉ. सर्वपल्ली राधा.ष्णन संस्थान रत्न" उपाधि से सम्मानित किया गया। यह सम्मान समारोह गरिमामय वातावरण में आयोजित हुआ, जिसमें शिक्षा जगत से जुड़े कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान डॉ. राम जी मिश्र ने प्रधानाचार्य श्यामदेव यादव के शिक्षा के क्षेत्र में उत. ष्ट योगदान की सराहना की और उन्हें सम्मानित करते हुए कॉलेज का नोडल अधिकारी भी नामित किया। सम्मान प्राप्त करने के बाद प्रधानाचार्य श्यामदेव यादव ने कहा कि वे अपने विद्यालय सहित पूरे क्षेत्र के विद्यार्थियों को नर्सिंग एवं पैरामेडिकल क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते रहेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान समय में पैरामेडिकल क्षेत्र युवाओं के लिए एक मजबूत करियर विकल्प बनकर उभर रहा है, जिसमें रोजगार की व्यापक संभावनाएं हैं। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने प्रधानाचार्य श्यामदेव यादव को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जूनियर इन्जीनियर अरुण कुमार के साथ अभद्रता मामले में धरना जारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। बाढ कार्य खण्ड बलरामपुर में अधिशासी अभियन्ता की उपस्थिति में उनके कक्ष में खण्ड में कार्यरत जूनियर इन्जीनियर अरुण कुमार, पर विभाग के ही दबंग कर्मियों प्रारूपकार राजेश कुमार और वरिष्ठ सहायक विकास माथुर, अनिल कुमार मिश्र, शैलेन्द्र आदि द्वारा जान लेवा हमला मामले में दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग को लेकर शनिवार को भी धरना जारी रहा। निर्णय लिया गया कि मांगे न मानी गई तो 4 मई सोमवार को गोरखपुर स्थित मुख्य अभियन्ता कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन किया जायेगा। सिविल डिप्लोमा इंन्जीयर्स संघ प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर संघ के अतिरिक्त महासचिव पूर्वी क्षेत्र ई. रवि यादव के नेतृत्व में पदाधिकारियों और अभियन्ताओं ने अधीक्षण अभियन्ता कार्यालय के समक्ष धरना जारी रहा। रवि यादव ने कहा कि धरने के कारण बस्ती, सिद्धार्थनगर, संतकबीरनगर, बलरामपुर, बहराइच, श्रावस्ती, गोंडा, गोरखपुर, देवरिया, आजमगढ, बलिया, मऊ, अम्बेडकरनगर अयोध्या आदि जनपदों में विभागीय कार्य

प्रभावित है किन्तु अधीक्षण अभियन्ता गण्डक बाढ मण्डल बस्ती एवं मुख्य अभियन्ता गण्डक गोरखपुर चुप्पी साधे हुये हैं। मांग किया कि मामले में दोषियों को गिरतार कर न्याय दिलाया जाय। शनिवार को धरने में देवी पाटन मण्डल के मण्डल अध्यक्ष इ. हंसराज, उप महासचिव इ. सुनील, इ. राजमल वर्मा, इ. रामसभार, ई. भानु प्रताप, अमरेन्द्र पटेल, संजीव पटेल, रजनीकान्त राय, आशीष कुमार, तारकेश्वर प्रसाद, विनोद यादव, राधेश्याम भारती, शिवपाल यादव, धर्मेन्द्र कुमार दूबे, जितेन्द्र कुमार, रवि कुमार मौर्या, गुरू प्रसाद सन्त, मंगलराम, अविनाश भारती, अमरेन्द्र पटेल, अजीत यादव, भोलेन्द्र यादव, सुभाष सिंह, धर्मेन्द्र, आर.के. सरोज के साथ ही अनेक इंजीनियरों ने जूनियर इन्जीनियर अरुण कुमार के साथ अभद्रता की घटना पर रोष व्यक्त किया। मांग किया कि इस मामले में दोषियों के विरूद्ध तत्काल प्रभाव से कार्यवाही सुनिश्चित किया जाय। जब तक न्याय नहीं मिल जाता चरणबद्ध रूप में आन्दोलन जारी रहेगा।

मुठभेड़ में चेन स्नेचर गैंग का पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिले में महिलाओं को निशाना बनाकर छिनैती की वारदातों को अंजाम देने वाले शातिर चेन स्नेचर गिरोह का पुलिस ने शनिवार को मुठभेड़ के बाद पर्दाफाश कर दिया। मिशन शक्ति अभियान के तहत जनपदीय एंटी थेफ्ट टीम, थाना चिल्हिया व शोहरतगढ़ पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में चार बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। इनके कब्जे से तीन मंगलसूत्र, अवैध तमंचा, कारतूस, दो मोटरसाइकिल और 20 हजार रुपये नगद बरामद किए गए हैं। घटना के सफल अनावरण पर पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने टीम को 25 हजार रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया है। कपिया चौराहे की घटना से खुली कड़ी– 27 अप्रैल 2026 को थाना चिल्हिया क्षेत्र के कपिया चौराहे पर एक महिला से मंगलसूत्र छिनैती की घटना हुई थी। इस मामले में थाना चिल्हिया पर मुकदमा अपराध संख्या 39/2026 धारा 304(2) बीएनएस के तहत पंजीकृत किया गया। घटना के खुलासे के लिए पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई। अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी के निर्देशन में एंटी थेफ्ट टीम, सर्विलांस सेल व स्थानीय पुलिस को सक्रिय किया गया। चेकिंग के दौरान हुई मुठभेड़– शुक्रवार/शनिवार की रात थाना शोहरतगढ़ क्षेत्र में पुलिस टीम वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एंटी थेफ्ट टीम प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश मिश्रा ने सूचना दी कि छिनैती की घटनाओं में शामिल संदिग्ध नौगढ़ से चिल्हिया की ओर भाग रहे हैं। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक शोहरतगढ़ नवीन सिंह ने कटया गांव के पास नहर मार्ग पर घेराबंदी कर दी। कुछ ही देर में दो मोटरसाइकिलों पर सवार छह युवक तेज गति से आते दिखाई दिए। पुलिस के रुकने के संकेत पर वे बाइक मोड़कर भागने लगे, लेकिन संतुलन बिगड़ने से गिर पड़े। इसके बाद बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। एक गोली उपनिरीक्षक ओमप्रकाश मिश्रा के कान के पास से निकल गई, जिससे वे बाल–बाल बच गए। जवाबी कार्रवाई में एक घायल, तीन दबोचे गए– आत्मरक्षा में पुलिस द्वारा की गई जवाबी फायरिंग में एक बदमाश घायल हो गया, जबकि तीन अन्य को घेराबंदी कर मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। घायल की पहचान अब्दुल्ला उर्फ ललाऊ पुत्र नरदाहे निवासी परसादेवईपार थाना कठेला समय माता के रूप में हुई, जिसे उपचार के लिए सीएचसी शोहरतगढ़ भेजा गया। अन्य गिरफ्तार आरोपितों में उस्मान मलिक पुत्र फतेह मोहम्मद, मोहम्मद शकील उर्फ जुबेर पुत्र मोहम्मद इदरीश व सभाराज यादव पुत्र रामजत यादव शामिल हैं। सभी आरोपी थाना कठेला समय माता क्षेत्र के निवासी हैं। पूछताछ में कई वारदातों का खुलासा– पुलिस पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वे संगठित गिरोह बनाकर जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में रेकी कर महिलाओं से मंगलसूत्र छीनते थे। गिरोह में दिनेश उर्फ दीना व सुग्रीव नामक अन्य सदस्य भी शामिल हैं, जो अभी फरार हैं। आरोपितों ने स्वीकार किया कि उन्होंने फजीहतवा नाला के पास, खड़सरी चौराहा–इटवा मार्ग पर तथा कपिया चौराहे के समीप तीन अलग–अलग घटनाओं में महिलाओं से मंगलसूत्र छीनने की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने अभियुक्तों के पास से तीन मंगलसूत्र (पीली धातु), एक अवैध देशी तमंचा 315 बोर, एक जिंदा कारतूस व एक खोखा कारतूस, दो मोटरसाइकिल (एक बिना नंबर प्लेट, एक यूपी 55 एएच 2534) व 20,000 रुपये नगद बरामद किया है। अभियुक्तों ने पुलिस को क्या दी जानकारी– पूछताछ में अब्दुल्ला उर्फ ललाऊ ने बताया कि वह अपने साथियों उस्मान, सभाराज यादव, मोहम्मद शकील, दिनेश उर्फ दीना व सुग्रीव के साथ मिलकर जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में छिनैती की घटनाएं करता था और इसी से अपना खर्च चलाता था। उसने बताया कि करीब दस दिन पहले फजीहतवा नाला के पास एक महिला से मंगलसूत्र छीना गया था। इसके अलावा 14 अप्रैल 2026 को खड़सरी चौराहे से इटवा–गोल्हौरा मार्ग पर एक दंपती को निशाना बनाकर पुलिया के पास सुनसान स्थान पर मंगलसूत्र छीन लिया था। इसी तरह दो–तीन दिन पहले कपिया चौराहे के पास एक महिला को अकेला देखकर उससे भी मंगलसूत्र छीन लिया गया था। दर्ज मुकदमे व आपराधिक इतिहास– गिरफ्तार आरोपितों के खिलाफ पहले से ही थाना कोतवाली बांसी, गोल्हौरा व चिल्हिया में छिनैती व लूट के कई मुकदमे दर्ज हैं। मुठभेड़ के दौरान पुलिस पर जानलेवा हमला करने के मामले में थाना चिल्हिया पर मुकदमा अपराध संख्या 40/2026 धारा 109(1), 3(5), 352, 351(3) बीएनएस व 3/25/27 आयुध अधिनियम के तहत नया मुकदमा दर्ज किया गया है। 25 हजार रुपये से पुरस्कृत हुई टीम– घटना के सफल अनावरण पर पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने पूरी टीम की सराहना करते हुए 25 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया। अधिकारियों का कहना है कि इस कार्रवाई से जिले में छिनैती की घटनाओं पर अंकुश लगेगा और फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। इस दौरान थाना चिल्हिया के प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार गुप्ता, थाना शोहरतगढ़ के प्रभारी निरीक्षक नवीन सिंह, एंटी थेफ्ट टीम प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश मिश्रा, उपनिरीक्षक विंध्याचल प्रसाद, उपनिरीक्षक संतोष कुमार यादव, सर्विलांस सेल प्रभारी उपनिरीक्षक हरेंद्र चौहान सहित हेड कांस्टेबल जनार्दन प्रजापति, रमेश कुमार, अमित कुमार यादव, धर्मेंद्र, अमित नायक, कांस्टेबल अभिनंदन सिंह, चंद्रजीत यादव, कृष्णपाल व कुंवर प्रताप सिंह आदि शामिल रहे।

एडीएम की अध्यक्षता में 61 मामलों की सुनवाई, 7 का मौके पर निस्तारण

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। शनिवार को बांसी तहसील सभागार में आयोजित समाधान दिवस में एडीएम (न्यायिक) ज्ञान प्रकाश यादव की अध्यक्षता और उपजिलाधिकारी निखिल चक्रवर्ती की उपस्थिति में कुल 61 मामलों की सुनवाई की गई। सुबह 10रू30 बजे से दोपहर 2 बजे तक चले इस जनसुनवाई कार्यक्रम में दूर–दराज गांवों से आए लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं, जिनमें राजस्व के 26, पुलिस के 20, विकास का 1, आपूर्ति के 5, विद्युत के 7, वन का 1 और लोक निर्माण विभाग का 1 मामला शामिल रहा। इनमें से 7 मामलोंकृराजस्व के 3 और आपूर्ति के 4कृका मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। लोक निर्माण विभाग से संबंधित शिकायतों में सड़क की पटरी बनवाने और अतिक्रमण हटाने की मांग प्रमुख रही। इस दौरान खंड विकास अधिकारी बांसी कृतिका अवस्थी, मिठवल के सौरभ पाण्डेय, खेसरहा के अमित सिंह, एई बी.बी. सिंह, पूर्ति निरीक्षक अर्चना सिंह, एसडीओ राकेश यादव सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सूचना

SST : 11/2024
वाद संख्या : 511/2023
संदर्भ : नौशाद आदि।
धारा : L/S-8/20/29/26 NDPS Act
न्यायालय : अपर जिला एवं सत्र न्यायालय
त्वरित न्यायालय द्वितीय, बागपत।

यह सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अभियुक्त श्री नंदलाल पुत्र घनश्याम निवासी कोटिया दीगर, थाना शोहरतगढ़ के विरुद्ध उपरोक्त वाद में समन/वारंट/एल.ओ.यू./धारा 82/83 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत कार्यवाही प्रचलित है।

उक्त अभियुक्त अपने दिए गए पते पर निवास नहीं करता है। उसके वर्तमान निवास स्थान के संबंध में कोई ठोस जानकारी प्राप्त नहीं हो सकी है। तामील हेतु कई बार प्रयास किए गए तथा स्थानीय व्यक्तियों/ग्रामवासियों से पूछताछ की गई, किन्तु अभियुक्त का कोई पता नहीं चल सका।

अतः आदेशानुसार उक्त अभियुक्त को निर्देशित किया जाता है कि वह इस प्रकाशन की तिथि से 30 दिवस के भीतर माननीय न्यायालय बागपत में उपस्थित हो।

यदि निर्धारित अवधि में उपस्थित नहीं होता है, तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कठोर वैधानिक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी, जिसकी समस्त जिम्मेदारी स्वयं अभियुक्त की होगी।

दिनांक : 02/05/2026

नाम : सुरेश
पद : उप निरीक्षक
थाना– खेकड़ा, जनपद– बागपत
मोबाइल नंबर– 9454402966,
7510001718/9455229630
पर संपर्क करें।

पीड़ित परिवार से मिले निवर्तमान जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। लोटन कोतवाली क्षेत्र के धरनिहवा गांव के टोला कोल्हूआ में भूमि विवाद में दो पक्षों में हुई मारपीट में घायल युवक स्व. संदीप यादव के मौत के बाद भाजपा के निवर्तमान जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान ने पीड़ित के घर पहुंचकर परिजनों से भेंट कर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए ढाढस बधाया। कन्हैया ने पीड़ित परिवार से भेंट किया एवं मृतक के पिता शिवमूरत से बात चीत करते हुए न्याय का पूरा भरोसा दिलाया। कन्हैया पासवान ने संबंधित अधिकारियों से वार्ता करते हुए अपराधियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही करने के लिए कहा। निवर्तमान जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान ने कहा योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में अपराधी कोई भी हो कही भी हो बचने नहीं पाएगा जल्द से जल्द प्रशासन द्वारा अपराधियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाएगी। इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष लोटन दृग नारायण सिंह,भाजपा नेता संतोष पासवान,निशांत पांडेय,कृष्ण दत्त त्रिपाठी,संतोष शुक्ला,गुड्डू यादव,हेमंत सिंह सोनू,महेश वर्मा,दिलीप आदि लोग उपस्थित रहें।

गैस एजेंसी पर ओवर रेटिंग का आरोप : 983.50 की जगह 990 में सिलेंडर, उपभोक्ता परेशान

दैनिक बुद्ध का संदेश

भनवापुर/सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज तहसील क्षेत्र के रमवापुर स्थित एचपी गैस एजेंसी पर उपभोक्ताओं से तय कीमत से अधिक राशि वसूलने का मामला सामने आया है। आरोप है कि जहां गैस सिलेंडर की निर्धारित कीमत 983 रुपये 50 पैसे है, वहीं उपभोक्ताओं से 990 रुपये तक लिए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले से ही गैस सिलेंडर की कमी से उपभोक्ता परेशान हैं, और अब ओवर रेटिंग उनके ऊपर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल रही है। हैरानी की बात यह है कि इस पूरे मामले पर जिम्मेदार अधिकारियों की नजर नहीं पड़ रही है। बिशनपुर हरि निवासी प्रेम तिवारी ने बताया कि उन्हें हाल ही में 990 रुपये में गैस सिलेंडर मिला, जबकि इससे पहले 1000 रुपये तक वसूले जा चुके हैं। वहीं चंदनजोत निवासी आमिर ने भी बताया कि उनसे 990 रुपये लिए गए, जबकि कीमत 983.50 होनी चाहिए। इसी तरह मल्हवार गांव के अशोक कुमार ने भी पहले इस मुद्दे को उठाया था और बताया था कि गैस एजेंसी द्वारा लगातार 990 रुपये में सिलेंडर दिया जा रहा है। डिवलीडीहा मिश्र निवासी नंदे का कहना है कि सभी उपभोक्ताओं से एक समान 990 रुपये ही लिए जा रहे हैं। उपभोक्ताओं में नाराजगी, कार्रवाई की मांग लगातार सामने आ रही शिकायतों से उपभोक्ताओं में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। लोगों ने प्रशासन से मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

पीड़ित परिवार को सांत्वना देने कोल्हुआ पहुंचे माता प्रसाद पाण्डेय, मदद का दिया भरोसा

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन/सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष और समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता माता प्रसाद पाण्डेय शनिवार को सिद्धार्थनगर जिले के लोटन क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत धरनिहवा के टोला कोल्हुआ पहुंचे। यहाँ उन्होंने एक स्थानीय पीड़ित परिवार से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। हर संभव मदद का आश्वासन घ्पीड़ित परिवार के बीच पहुंचे पूर्व विधानसभा अध्यक्ष माता प्रसाद पाण्डेय ने काफी समय उनके साथ बिताया और पूरी घटना की जानकारी ली। उन्होंने परिवार को ढांढस बंधाते हुए कहा कि संकट की इस घड़ी में वे और उनकी पार्टी पूरी तरह से उनके साथ खड़ी है। पाण्डेय ने पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने और शासन–प्रशासन के स्तर पर हर संभव मदद करवाने का ठोस भरोसा दिया। घ्कार्यकर्ताओं का जमावड़ा घ्इस दौरान मौके पर समाजवादी पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे। सपा नेताओं ने स्थानीय पुलिस प्रशासन से भी मामले में निष्पक्ष कार्यवाही की मांग की। माता प्रसाद पाण्डेय के आगमन को लेकर क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मी तेज रही और भारी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जुटी रही। घ्इस अवसर पर मुख्य रूप से समाजवादी पार्टी के क्षेत्रीय पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

मांगों को लेकर रोडवेज कर्मियों का प्रदर्शन, निगम नीतियों के खिलाफ नारेबाजी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। परिवहन निगम के डिपो पर शुक्रवार को रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद के बैनर तले कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर निगम और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। परिषद के अध्यक्ष दिनेश चंद्र शर्मा ने कहा कि सरकार उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं कर रही है, जिससे कर्मचारियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से समस्याओं का समाधान नहीं होने से कर्मचारी परेशान हैं और मजबूर होकर आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ रहा है। कर्मचारियों ने प्रमुख रूप से संविदा कर्मचारियों को नियमित करने, समान कार्य के लिए समान वेतन लागू करने और निजी बसों के अवैध संचालन पर रोक लगाने की मांग की। उनका कहना है कि निजी बसों के कारण रोडवेज को भारी नुकसान हो रहा है, जिससे कर्मचारियों के हित प्रभावित हो रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द ही विचार नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

मोबाइल दुकानों से लाखों की चोरी, ताला तोड़कर बदमाशों ने किया हाथ साफ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सदर थाना क्षेत्र के स्टेशन रोड पर स्थित दो मोबाइल दुकानों में चोरों ने शुक्रवार रात ताला तोड़कर लाखों रुपये के सामान पर हाथ साफ कर दिया। शनिवार सुबह घटना की जानकारी होने पर दुकानदारों में हड़कंप मच गया और उन्होंने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। जानकारी के अनुसार, शहर के पटेल नगर निवासी संदीप कुमार गुप्ता और बिलाल अहमद की स्टेशन रोड पर अलग–अलग मोबाइल की दुकानें हैं। दोनों दुकानदार रोज की तरह शुक्रवार रात दुकान बंद कर घर चले गए थे। शनिवार सुबह पहुंचने पर देखा कि दुकानों का ताला टूटा हुआ है और अंदर रखा सामान गायब है। संदीप कुमार गुप्ता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी दुकान से करीब 18 नए व 10 पुराने मोबाइल, पानी का मोटर, 20 हजार रुपये नकद, ईयरबड्स, डाटा केबल समेत अन्य सामान चोरी हो गया। वहीं बिलाल अहमद ने बताया कि उनकी दुकान से 22 मोबाइल, 45 चार्जर, ईयरबड्स, एक लैपटॉप और नकदी चोरी हुई है। घटना से नाराज व्यापारियों ने जल्द खुलासे की मांग की है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

सूचना (नाम परिवर्तन)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अब्दुल हक अब्दुल बारी खान, निवासी– शिवपतिनगर, चेवा, सम्राटपुर, पोस्ट– शिवपतिनगर, तहसील– नौगढ़, थाना– मोहाना, जनपद– सिद्धार्थनगर (उ.प्र.) का मूल निवासी हूँ।

यह कि मेरे हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की अंकतालिकाओं (Marksheets) में मेरा नाम त्रुटिवश अब्दुल हक अंसारी अंकित हो गया है, जो कि गलत है। मेरा सही और वास्तविक नाम अब्दुल हक अब्दुल बारी खान है।

अतः भविष्य में मुझे मेरे सही नाम अब्दुल हक अब्दुल बारी खान के नाम से ही जाना और पहचाना जाए।

शपथकर्ता
अब्दुल हक अब्दुल बारी खान
निवासी : शिवपतिनगर,
जनपद– सिद्धार्थनगर (उ.प्र.)

किशोर शिक्षा कार्यक्रम से बदलेगी पढ़ाई की दिशा, छात्रों को मिलेगा समग्र ज्ञान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। माध्यमिक विद्यालयों में अब पढ़ाई केवल किताबों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि विद्यार्थियों को उनके शरीर में होने वाले बदलाव, मानसिक विकास और सामाजिक समझ से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां भी दी जाएंगी। शासन के निर्देश पर जिले में किशोर शिक्षा कार्यक्रम लागू किया जा रहा है, जिसके तहत पहले शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा और फिर वे विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करेंगे। इस कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्रों को शरीर की संरचना, यौन स्वास्थ्य, स्वच्छता और मानसिक विकास से जुड़ी जानकारी दी जाएगी। साथ ही उन्हें जीवन कौशल, आत्मविश्वास और सही निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने पर भी जोर दिया जाएगा। इसमें जीव विज्ञान विषय के शिक्षक प्रमुख भूमिका निभाएंगे, जबकि जहां शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं, वहां अन्य प्रशिक्षित शिक्षक यह जिम्मेदारी संभालेंगे। कार्यक्रम में 10 से 19 वर्ष तक के किशोर–किशोरियों को शामिल किया जाएगा, जिसमें उनके शारीरिक और मानसिक विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके लिए पहले शिक्षकों को डॉक्टरों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा, जो बाद में छात्रों को जागरूक करेंगे। जिला विद्यालय निरीक्षक अरुण कुमार ने बताया कि इस संबंध में सभी प्रधानाचार्यों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम छात्रों के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण है और इससे उन्हें सुरक्षित जीवन जीने की सही दिशा मिलेगी।

सम्पादकीय

सख्ती के अभाव में लोग इसे न्यू नॉर्मल बना देते हैं। विडंबना यह है कि छोटे शहरों व कस्बों ही नहीं, बड़े शहरों में भी ध्वनि का स्तर नापने वाले यंत्र या तो लगे नहीं हैं, या फिर वे ठीक से काम नहीं कर रहे होते हैं। यही वजह है कि देश के सामने वह तस्वीर नहीं उभरती कि देश में ध्वनि प्रदूषण का स्तर कितना घातक हो चला है। जाहिर बात है कि देश में जब प्रामाणिक डाटा ही उपलब्ध नहीं है ...

ध्वनि प्रदूषण का सेहत पर घातक असर

यूं तो हाल के वर्षों में आम भारतीय की अभिव्यक्ति में तल्खी व शोर का ग्राफ तेज हुआ है। अभिव्यक्ति का मुखर होना अच्छा है लेकिन उसका तल्ख होना, किसी की भी सेहत के लिए अच्छा नहीं है। वैसे हमारे परिवेश में लगातार बढ़ता शोर झेलना हमारी नियति हो चला है। सड़कों पर वाहनों के शोर, नये दौर के कर्कश संगीत से लेकर राजनीतिक विमर्श में होने वाले शोरगुल वाले संवाद से लेकर तमाम ऐसा कुछ घट रहा है, जो हमारी परेशानी का सबब बन रहा है। यूं तो कोई प्रमाणिक राष्ट्रव्यापी वैज्ञानिक शोध व्यापक रूप में हमारे सामने तो नहीं आए हैं जो ठीक–ठीक बताएं कि ध्वनि प्रदूषण हमारी सेहत पर कितना घातक असर डाल रहा है। लेकिन गाहे–बगाहे सामने आए आंकड़े इस बात की पुष्टि जरूर करते हैं कि लगातार बढ़ता शोर हमारी सेहत बिगाड़ रहा है। लेकिन इसके बावजूद इसे रोकने के लिए उचित निगरानी, समयबद्ध कार्रवाई और दंड के प्रावधान लागू होते नजर नहीं आते हैं। लेकिन विभिन्न अध्ययनों के निष्कर्ष बता रहे हैं देश के महानगरों से लेकर कस्बों तक हमारे परिवेश का शोर तय मानकों से कहीं अधिक है। जाहिरा तौर ये शोर हमारी सेहत को गहरे तक प्रभावित कर रहा है। जिससे न केवल हमारी श्रवण शक्ति कमजोर हो रही है बल्कि नींद में कमी, मानसिक तनाव, उच्च रक्तचाप के अलावा हृदय रोग तक का खतरा बढ़ रहा है। लेकिन इस दिशा में कागजों में तो लुभावनी योजनाएं तो बनायी जाती हैं लेकिन जमीनी हकीकत बदलती नजर नहीं आती। यह सुखद है कि पिछले दिनों देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इस दिशा में नई पहल शुरू की गई है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति ने ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया आरंभ की है। दावा किया जा रहा है कि प्रदूषण के स्रोतों की कायदे से निगरानी होगी। इसके अलावा समयबद्ध ढंग से कार्रवाई होगी। साथ ही जुर्माना भी अनिवार्य रूप से वसूला जाएगा। ये तो आने वाला वक्त बताएगा कि अच्छी योजना कितनी जमीनी हकीकत बनती है।

लेकिन सवाल यह है कि जब देश में पहले से शोर नियंत्रण के कानून मौजूद हैं और हमारी अदालतें भी समय–समय पर हमारे नीति नियंताओं को आगाह करती ही रहती हैं, तो फिर सूरत क्यों नहीं बदलती। आखिर इन नियम–कानूनों के क्रियान्वयन में कहां खोट रह जाता है। यहां यह उल्लेखनीय है कि ध्वनि प्रदूषण विनियमन और नियंत्रण नियम, 2000 के तहत ध्वनि विस्तारक यंत्रों, निर्माण कार्यों और उद्योगों में इस्तेमाल की जाने वाली मशीनों, वाहनों के हार्न आदि अन्य स्रोतों को नियंत्रित करने का प्रयास किया गया था। ताकि लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण की रक्षा हो पाए। उल्लेखनीय है कि ये प्रावधान दिन व रात के लिये अलग–अलग हैं। जिसके अंतर्गत रात के दस बजे से लेकर सुबह छह बजे के मध्य लाउडस्पीकर लगाना मना है। यदि अपरिहार्य कारणों से कुछ अधिक समय के लिये इसका उपयोग किया भी जाना है तो संबंधित अधिकारी से अनुमति लेना अनिवार्य है। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि इन कानूनों का जमकर उल्लंघन करना शान समझा जाता है। जाहिर बात है कि जिन अधिकारियों की जिम्मेदारी इसकी निगरानी और रोकने के लिये होती है वे अपने दायित्वों को भलीभांति निर्वहन नहीं करते हैं। सख्ती के अभाव में लोग इसे न्यू नॉर्मल बना देते हैं। विडंबना यह है कि छोटे शहरों व कस्बों ही नहीं, बड़े शहरों में भी ध्वनि का स्तर नापने वाले यंत्र या तो लगे नहीं हैं, या फिर वे ठीक से काम नहीं कर रहे होते हैं। यही वजह है कि देश के सामने वह तस्वीर नहीं उभरती कि देश में ध्वनि प्रदूषण का स्तर कितना घातक हो चला है। जाहिर बात है कि देश में जब प्रामाणिक डाटा ही उपलब्ध नहीं है तो उसके निदान और उसके पड़ने वाले घातक प्रभावों की हकीकत कैसे सामने आएगी। वास्तव में गैर जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। यदि वे फिर भी अपने कर्तव्यों का पालन नहीं करते तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए।

नेताओं की खाज और प्याज के राज

बंगाल में झाल–मुड़ी बनवाते–खाते हुए प्रधानमंत्रीजी ने कह दिया है कि वे प्याज खाते हैं। लेकिन असल में प्याज को नजर लगने का खतरा सिंधियाजी के इस रहस्योद्घाटन से पैदा हुआ है कि प्याज खाओ और गर्मी से बचो। हाय! प्याज को कहीं नजर न लग जाए। हमारी वित्त मंत्री ने यह कहकर अभी तक उसे नजर लगने से बचाए रखा था कि मैं लहसुन–प्याज नहीं खाती। लेकिन अब बंगाल में झाल–मुड़ी बनवाते–खाते हुए प्रधानमंत्रीजी ने कह दिया है कि वे प्याज खाते हैं। लेकिन असल में प्याज को नजर लगने का खतरा सिंधियाजी के इस रहस्योद्घाटन से पैदा हुआ है कि प्याज खाओ और गर्मी से बचो। बल्कि उन्होंने तो प्याज खाने की भी सिफारिश नहीं की। उन्होंने कहा कि बस प्याज जेब में रख लो और गर्मी तुम्हारा कुछ नहीं बिगाड़ पाएगी। इसके बाद अब हम अल–नीनो को ठेंगा दिखा सकते हैं। हमें अल–नीनो से डराने चले थे। अरे हमारे पास प्याज है। अब हम जलवायु परिवर्तन को भी ठेंगा दिखा सकते हैं। ग्लोबल वार्मिंग हमारा क्या बिगाड़ लेगी। अरे हमारे पास प्याज है। ग्लोबल वार्मिंग से ग्लेशियर पिघलें तो पिघलें, हमारा कुछ नहीं बिगड़ने वाला। हमारे पास प्याज है। लेकिन सिंधियाजी ने यह नहीं बताया कि प्याज क्या दिमाग की गर्मी का भी इलाज है। पार्किंग के लिए होते झगड़ों, रोड रेज के रूप में सामने आने वाली मार–पिटाई, पड़ोसियों के साथ होने वाली कांव–कांव और रिश्तेदारों के बीच होती भिड़ंत का इलाज भी अगर प्याज से हो पाता तो कितना अच्छा अच्छा होता। प्याज का ऐसा महत्व सामने आया है कि अब तो सौ जूते खाकर भी प्याज खाने का मौका मिले तो छोड़ना नहीं चाहिए। डर बस इतना ही है कि कहीं एसी–कूलरवालों का धंधा न चौपट हो जाए। अरे हमारे पास प्याज है। हमें एसी–कूलर नहीं चाहिए। प्याज गर्मी भगाने की रामबाण दवा है। अब अगर लू लगने से किसी की जान चली जाए तो जांच इस बात की होनी चाहिए कि उस आदमी ने घर से निकलते हुए अपनी जेब में प्याज रखी थी या नहीं। अगर नहीं तो दोषी उसे ही ठहराया जाना चाहिए–मरणोपरांत भी। चाहें तो मुकदमा उनके घरवालों पर भी चलाया जा सकता है कि उन्होंने उस व्यक्ति की जेब में एक प्याज रखने का ध्यान क्यों नहीं रखा। जैसे इलाज में डॉक्टरों की लापरवाही का दोषी डॉक्टरों को ठहराया जाता है वैसे ही लू से मरने वाले व्यक्ति के घरवालों को भी लापरवाही का दोषी ठहराया जाना चाहिए। नेताओं को चाहिए कि वे सर्दी की भी कोई ऐसी ही रामबाण दवा ढूंढ़ निकालें। फिर कोई शीत लहर से भी नहीं मरेगा। फिर हम पर कोई यह दोष नहीं लगा पाएगा, यह कलंक नहीं लगा पाएगा कि हमारे यहां कभी लू से मौतें हो जाती हैं और कभी शीत लहर से।

पर्यावरण संरक्षण राष्ट्रीय सुरक्षा का अभिन्न हिस्सा बने

हमें विकास की अपनी परिभाषा को बदलना होगा। बुंदेलखंड में पत्थर खनन के लिए काटी गई हर पहाड़ी और उत्तराखंड में कंक्रीट के विस्तार के लिए नष्ट की गई हरियाली हमारे भविष्य की ठंडी हवाओं को रोक रही है। आर्थिक लाभ की तुलना में गर्मी के कारण होने वाला स्वास्थ्य और कृषि का नुकसान कहीं अधिक है। भविष्य की नीतियों की सफलता अब इस जवाबदेही पर टिकी है कि हम बुनियादी ढांचे के निर्माण में ...

भारत में बढ़ती गर्मी और जलवायु परिवर्तन एक गहरी पारिस्थितिकीय समस्या को उजागर करते हैं, जो मानव–निर्मित हैं। विकास योजनाओं और पर्यावरणीय लापरवाही ने प्राकृतिक संतुलन को बिगाड़ दिया है। भारत में मौसम का बदलता मिजाज और वैशाख के महीने में जेठ जैसी तपिश का अहसास होना अब केवल एक प्राकृतिक घटना नहीं, बल्कि एक गहरे पारिस्थितिक संकट की चेतावनी है। अक्सर भीषण गर्मी और लू के लिए अल नीनो या वैश्विक जलवायु परिवर्तन को दोष देकर हम अपनी जिम्मेदारी से बचते रहे हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि यह संकट काफी हद तक मानव–निर्मित है। आज हम जिस भीषण गर्मी का सामना कर रहे हैं, वह वैश्विक वायुमंडलीय बदलावों और स्थानीय स्तर पर पर्यावरण के प्रति बरती गई नीतिगत लापरवाही का एक मिला–जुला परिणाम है। जब हम अपनी विकास योजनाओं के नाम पर हजारों हेक्टेयर प्राथमिक जंगलों, पहाड़ियों और जल निकायों को नष्ट करते हैं, तो हम अनजाने में उन प्राकृतिक 'कूलिंग एजेंटों' को खत्म कर देते हैं जो इस तपिश के खिलाफ हमारी एकमात्र सुरक्षा थे। बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों में, जहां तापमान अब नियमित रूप से 48 डिग्री सेल्सियस के स्तर को छूने लगा है, यह स्पष्ट है कि हमारी विकास की भूख ने धरती के प्राकृतिक थर्मोस्टेट को बिगाड़ दिया है। इस मानव–निर्मित गर्मी की सबसे प्रत्यक्ष और क्रूर मार उन मजदूरों और सड़क किनारे काम करने वाले श्रमिकों पर पड़ती है जो इस ढांचे का निर्माण कर रहे हैं। भारत के करोड़ों निर्माण श्रमिक, रेहड़ी–पटरी वाले और गिग–इकोनॉमी

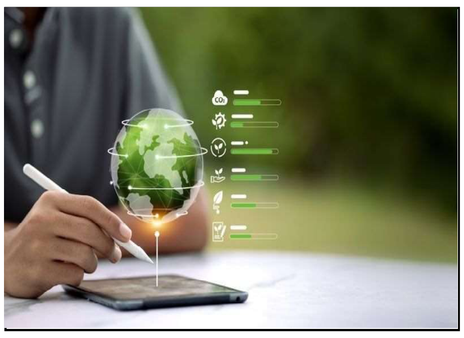

के कर्मचारी इस गर्मी को केवल एक आंकड़े के रूप में नहीं, बल्कि एक शारीरिक हमले के रूप में महसूस करते हैं। आंकड़ों के अनुसार, गर्मी के कारण भारत को 2030 तक अपने कुल कामकाजी घंटों का 5.8 प्रतिशत हिस्सा खोना पड़ सकता है, जो लगभग 3.4 करोड़ पूर्णकालिक नौकरियों के बराबर है। बांदा जैसे शहरों में, कंक्रीट और कोलतार की सड़कें गर्मी को सोखकर रात में भी उसे वापस छोड़ती हैं, जिससे 'अर्बन हीट आइलैंड' प्रभाव पैदा होता है और स्थानीय तापमान ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में 5 डिग्री सेल्सियस से 7 डिग्री सेल्सियस तक अधिक बना रहता है। नीतिगत स्तर पर मजदूरों के लिए 'छाया का अधिकार' या लू के दौरान काम के घंटों में बदलाव जैसे नियम केवल कागजों तक सीमित हैं, जो हमारे विकास के उस अंधेपन को दर्शाते हैं जहां श्रम को एक जैविक इकाई के बजाय केवल एक मशीन समझा जाता है। गर्मी का यह घातक रूप हमारी खेती और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ रहा है। 'थर्मल शॉक' के कारण गेहूं जैसी प्रमुख फसलों के दाने दूध भरने की अवस्था में ही सूख रहे हैं, जिससे पैदावार में 15 प्रतिशत से 25 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की जा रही है। मिट्टी की नमी खत्म होने से उपजाऊ जमीन अब मरुस्थल में बदल रही है, फिर भी हमारी नीतियां सूखे क्षेत्रों में अधिक पानी चाहने वाली फसलों को बढ़ावा दे रही हैं। इसी तरह, जंगलों के विखंडन और अवैध खनन ने वन्यजीवों के लिए भोजन का संकट पैदा कर दिया है। छतरपुर और पन्ना टाइगर रिजर्व के आसपास के इलाकों में, खनन के कारण प्राकृतिक जल स्रोत सूख चुके हैं, जिसके परिणामस्वरूप जंगली जानवरों का बस्तियों की ओर आना 40 प्रतिशत तक बढ़ गया है। यह केवल मानव–पशु संघर्ष नहीं है, बल्कि उस पारिस्थितिक सुरक्षा चक्र का टूटना है जो इंसानों और जानवरों को एक साथ सुरक्षित रखता था। वर्तमान 'हीट एक्शन प्लान' (एचएपी) की सबसे बड़ी विफलता यह है कि वे केवल शहरों में मौतों को रोकने पर केंद्रित हैं, जबकि जमीन, जल और मिट्टी के गिरते स्वास्थ्य की अनदेखी करते हैं। अब समय आ गया है कि नीतिगत स्तर पर 'वन हेल्थ' के दृष्टिकोण को अपनाया जाए, जहां मिट्टी की नमी, पशुधन का स्वास्थ्य और वन्यजीवों का संरक्षण एक ही इकाई के रूप में देखा जाए। हमें केवल पौधारोपण की रस्म अदायगी से ऊपर उठकर बुंदेलखंड के चंदेलकालीन तालाबों जैसे पारंपरिक जल–प्रबंधन तंत्र को पुनर्जीवित करना होगा। ये तालाब केवल पानी का स्रोत नहीं थे, बल्कि वे स्थानीय पारिस्थितिकी को ठंडा रखने के विकेंद्रीकृत साधन थे। नीति–निर्माताओं को यह समझना होगा कि राजमार्गों के लिए काटे गए पेड़ केवल लकड़ी नहीं थे, बल्कि वे उस सूक्ष्म–जलवायु का हिस्सा थे जो फसलों को झुलसने से बचाती थी। हमें विकास की अपनी परिभाषा को बदलना होगा। बुंदेलखंड में पत्थर खनन के लिए काटी गई हर पहाड़ी और उत्तराखंड में कंक्रीट के विस्तार के लिए नष्ट की गई हरियाली हमारे भविष्य की ठंडी हवाओं को रोक रही है। आर्थिक लाभ की तुलना में गर्मी के कारण होने वाला स्वास्थ्य और कृषि का नुकसान कहीं अधिक है। भविष्य की नीतियों की सफलता अब इस जवाबदेही पर टिकी है कि हम बुनियादी ढांचे के निर्माण में 'ग्रीन इंजीनियरिंग' को कितनी प्राथमिकता देते हैं और पर्यावरण नियमों की अनदेखी को कब बंद करते हैं।

इसलिए आज पीत पत्रकारिता की नहीं, बल्कि पीस पत्रकारिता की जरूरत है। युद्ध की तस्वीरें जरूरी हैं, मगर शांति–वार्ता की मेज की तस्वीरें उससे भी ज्यादा जरूरी हैं। महात्मा गांधी, बुद्ध, दादी प्रकाशमणि जी जैसे शांति दूतों के संदेश भी मीडिया की सुर्खियां बनें। याद रखिये, सरहदें नहीं रोक सकतीं संवेदनाओं का सैलाब। देश, धर्म, जाति चाहे अलग–अलग हों, दर्द सबका एक सा है। आंसू सबके एक से हैं...

शांति स्थापना में मीडिया की आध्यात्मिक दृष्टि मददगार

वर्तमान अशांत वैश्विक दौर में ब्रह्माकुमारी मिशन आध्यात्मिक चिंतन के माध्यम से शांति स्थापना के लिए अथक प्रयास कर रहा है। इस मिशन के साथ–साथ मीडिया भी यदि शांति के लिए हो रहे प्रयासों में अपना भरसक योगदान करने लगे तो इस दिशा में विश्व जनमत और मजबूत हो सकता है। ओमध् शांति। वैसे तो 'ओम' रूपी इस अपार शांति सागर में मेरे विचार गागर में एक बूंद की माफिक होंगे। फिर भी वैश्विक शांति के लिए मीडिया की भूमिका कैसी होनी चाहिए, इस विषय पर अपने अनुभव, अपने विचार और सुझाव रखने का प्रयास कर रहा हूं। तो चलिये, 'नीड ऑफ ग्लोबल पीस, रोल ऑफ मीडिया' के विषय पर चर्चा की शुरुआत कुछ इस तरह से करते हैं –

कलम उठे तो अमन की कहानी लिखी जाये, हर एक खबर में इंसानियत दिखी जाये। निस्संदेह, विश्व आज सर्वाधिक अशांत दौर से गुजर रहा है। चारों तरफ भय और असुरक्षा का माहौल है। व्यक्ति, राष्ट्र से लेकर विश्व स्तर तक स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। कोरोना काल से लेकर, यूक्रेन युद्ध और आजकल अमेरिका–इस्राइल और ईरान द्वंद्व तक के संघर्ष ने दुनिया के अरबों लोगों के जीवन को अशांत बनाकर रख दिया है। हाल के दशकों में वैश्वीकरण और उदारीकरण के बाद दुनिया को एक वैश्विक गांव बनाने का जो सपना देखा गया था वह ध्वस्त होता नजर आ रहा है। ऐसे हालात में 'नीड ऑफ ग्लोबल पीस एंड रोल ऑफ मीडिया' विषय आज निश्चित रूप से समय की मांग है।

आज जहां संयुक्त परिवार बिखर कर 'एकल' में सिमटने लगे हैं, दाम्पत्य जीवन में टूटन बढ़ रही है। भागदौड़भरी जिंदगी जी रही युवा पीढ़ी में सहनशीलता, धैर्य का क्षरण हो रहा है। परिवार से लेकर समाज तक और समाज से लेकर देश–विदेश तक मानव मनोविकारों का संत्रास हमारे भाईचारे को, विश्व बंधुत्व के हमारे सपनों को चकनाचूर कर रहा है। सोचा तो यह था कि तकनीकी उन्नति समाज को और देशों को जोड़ने का काम करेगी, लेकिन उलटे दुनिया संघर्षों में उलझी दिखायी पड़ रही है। पूरी दुनिया में युद्ध, मृत्यु, तबाही, विस्थापन और मानवीय विपदाओं का अंतहीन सिलसिला चल निकला है। निस्संदेह ब्रह्माकुमारी मिशन विपदाओं के इस सिलसिले को थामने में आध्यात्मिक चिंतन के माध्यम से अथक प्रयास कर रहा है। इस मिशन के साथ–साथ मीडिया भी शांति के लिए हो रहे प्रयासों में अपना भरसक योगदान करने लगे, अपनी सक्रिय भूमिका निभाने लग जाये तो इस दिशा में विश्व जनमत और मजबूत हो सकता है। पत्रकार युद्ध का सच बताने के साथ–साथ अगर बुद्ध के सच को भी उजागर करें तो यह समूची मानवता के लिये एक कल्याणकारी ऋषिकर्म होगा। संयोग से आज बुद्ध पूर्णिमा भी है, इसके लिए आप सबको बधाई! इस मंच से उल्लेख जरूरी है कि जिस नारी के महत्व, जिस नारी की शक्ति को आज विश्वभर में पहचान मिलने लगी है। जिस नारी का वंदन करते हुए हमारी देश–प्रदेश की सरकारें 33 प्रतिशत का आरक्षण देने का प्रयास और प्रचार कर रही हैं, उस नारी की शक्ति को, उसके महत्व को ब्रह्माकुमारी मिशन के संस्थापक ब्रह्मतुल्य प्रजापिता ने कई दशक पूर्व आंक लिया था। आपकी इस संस्था में 35 या पचास नहीं, बल्कि शत–प्रतिशत आरक्षण नारी शक्ति के लिये कब का हो चुका। आपके प्रणेता जी ने भारतीय संस्कृति के संदेश रू 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः' को पहले ही आत्मसातद्द कर लिया।

शांतिप्रिय बंधुओ, बहनो और भाइयो, इस मंच से मुझे यह बताते हुए भी गर्व का अनुभव हो रहा है कि 'द ट्रिब्यून ट्रस्ट पब्लिकेशन' की हमारी संस्था में भी उच्च पदों पर नारी शक्ति का वर्चस्व है। द ट्रिब्यून की प्रधान संपादक, पंजाबी ट्रिब्यून की संपादक, दैनिक ट्रिब्यून की समाचार संपादक, चंडीगढ़, शिमला और दिल्ली ब्यूरो की प्रमुख के अलावा मानव संसाधन (एचआर) विभाग की प्रमुख भी बहन ही हैं। ट्रिब्यून संस्थान और ब्रह्माकुमारी विवि के मिशन में कई समानताएं भी हैं। ट्रिब्यून की स्थापना करीब 145 साल पहले तत्कालीन अविभाजित भारत के लाहौर में हुई थी और ब्रह्माकुमारी संस्था की स्थापना करीब सौ साल पहले कराची में हुई थी। ट्रिब्यून संस्थान वर्ष 1881 से स्वतंत्रता आंदोलन, जनजागरण, सामाजिक सद्भाव और शांति फैलाने में भी अहम भूमिका निभा रहा है। तो चलिये विश्व शांति और इसमें मीडिया की भूमिका विषय पर फिर लौटते हैं। परिवारों से लेकर समाज तक और समाज से लेकर विश्व तक को शांति की माला में पिरोने के लिये निश्चय ही मीडिया अहम भूमिका निभा सकता है, विश्व शांति के लिये जनमत तैयार कर सकता है और इस तरह जागरूक हुआ जनमत दुनिया के नीति–नियंताओं से यह सवाल कर सकता है कि आखिर शांति के लिये बनाये गये संगठन अपना फर्ज अदा क्यों नहीं कर पा रहे। कौन सी शक्तियां हैं, जो इन संस्थानों को पंगु बना रही हैं। दुनिया के मठाधीशों से पूछा जाना चाहिये कि वैश्विक भाईचारा और विश्व शांति के उद्देश्य से बनाये गये संगठनों, मसलन– संयुक्त राष्ट्र, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय, विश्व स्वास्थ्य संगठन, अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष, जी–ट्वेंटी, जी–सेवन, ब्रिक्स और क्वाड के होते हुए अमेरिका, रूस जैसी महाशक्तियां, इस्राइल और आतंकी शक्तियां मानवता को रौंदने पर क्यों तुली हैं? अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक सक्रिय मीडिया के मेरे साथियों, उठाओ अपना गांडीव रूपी कलम का अस्त्र, दागो। अरे विश्व शांति के मसीहा का ढोंग रचने वाले महाशक्तिमानो, आप किस हैसियत से नोबेल शांति पुरस्कार पाने की जुगतें भिड़ा रहे हैं। मीडिया के शक्तिमानो जतला दो उन्हें कि कभी न कभी शांति का उजाला उनके झूठ के अंधकार को अवश्य निगल जायेगा।

भारत–बांग्लादेश भिड़ गए! कार्यवाहक उच्चायुक्त को तलब कर ढाका ने किस बात का विरोध जताया?

अभी–अभी भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में गर्मजोशी लौटी थी। अभी–अभी भारत और बांग्लादेश एक दूसरे के साथ मिलकर काम करने में दिलचस्पी दिखा रहे थे और यही वजह है कि भारत की सरकार ने अपने बेहद विश्वसनीय व्यक्ति को बांग्लादेश में उच्चायुक्त के तौर पर भेजा। लेकिन ऐसा लगता है कि कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिसे लेकर बांग्लादेश और भारत के बीच में टकराव खत्म होने का नाम नहीं ले रहा। तभी तो खबर यह आई है कि बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने भारत के कार्यवाहक उच्चायुक्त पवन बधे को तलब करके कुछ मामलों पर अपना औपचारिक विरोध दर्ज किया है। दरअसल यह विरोध असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के कुछ टिप्पणियों को लेकर है जिसे लेकर बांग्लादेश ने आपत्ति जताई थी। विदेश मंत्रालय की दक्षिण एशिया महानिदेशक ईश्वरत जहां ने बताया कि भारतीय राजनयिक

को बांग्लादेश का रुख स्पष्ट किया गया है। यूएनबी न्यूज सेवा के हवाले से एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है कि भारत के सामने बांग्लादेश ने अपना विरोध दर्ज कराया है। बताया जाता है कि असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बीते हफ्ते सोशल मीडिया पर यह पोस्ट किया था कि असम में 20 विदेशी नागरिकों को पकड़ा गया और बांग्लादेश वापस भेज दिया गया। बताया जाता है कि यह अवैध बांग्लादेशी थे जिन्हें पुशबैक किया गया। ईश्वर जहां ने भारतीय राजनयिक से यह कहा है कि ऐसी टिप्पणियां दोनों देशों के बीच जो मैत्रीपूर्ण संबंध ा हैं उसकी भावना को कमजोर कर देती हैं। सूत्र कहते हैं क्राांि ाकारी ने शर्मा की टिप्पणी को बांग्लादेश भारत संबंधों के लिए अपमानजनक बताया और ढाका की नाराजगी व्यक्त की है। बताया गया है कि बांग्लादेश ने भारत से यह गुजारिश की है कि संवेदनशील द्विपक्षीय मुद्दों पर संयम बरता जाए और बेहद चौकन्ना होकर टिप्पणी की जाए। कुल मिलाकर देखा जाए तो अवैध ा घुसपैठियों का मामला हमेशा से ही भारत और बांग्लादेश के बीच में गरमाया रहा है। और ऐसे में जब बांग्लादेश में अब नई सरकार है वो भी चाहती है कि बांग्लादेश के घुसपैठ का मुद्दा बिल्कुल सार्वजनिक टेबल पर ना रखकर अंदर खाने बातचीत की जाए। यही वजह है कि असम के मुख्यमंत्री ने जब इस मुद्दे को लेकर जानकारी दी तो बांग्लादेश ने अपनी आपत्ति व्यक्त की है। कुल मिलाकर देखा जाए तो शेख हसीना के तख्तापलट के बाद यूनुस ने भरपूर तरीके से भारत के साथ रिश्ते खराब करने में अपनी भूमिका निभाई और भारत और बांग्लादेश के रिश्तों को न्यूनतम स्तर पर पहुंचा दिया।

अंबाती रायडू का केएल राहुल पर बड़ा बयान, बोले– टैलेंट हमेशा था, अब Mindset बदला है

पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंबाती रायडू ने केएल राहुल के बल्लेबाजी के तरीके की प्रशंसा करते हुए, मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सीजन में गेंदबाजों का सामना करने की उनकी बेहतर मंशा और क्षमता को उजागर किया है। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) की राजस्थान रॉयल्स पर आसान जीत के बाद ईएसपीएनक्रिकइंफो टाइम आउट पर बोलते हुए, रायडू ने कहा कि दिल्ली के सलामी बल्लेबाज राहुल में हमेशा से आक्रमण पर हावी होने की क्षमता रही है, लेकिन अब वह अपने शॉट चयन में अधिक आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प दिखा रहे हैं। रायडू ने कहा कि उसमें ख्वाहिश में, हमेशा से खेल की समझ रही है। वह किसी भी गेंदबाज का किसी भी समय सामना कर सकता है

यह बस उसकी मानसिकता है। आरआर के खिलाफ, हमने उसकी बल्लेबाजी में बहुत ही शानदार रवैया देखा है। रायडू ने स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ राहुल के खेल का और विश्लेषण किया, खासकर रवि बिश्नोई के खिलाफ उनके इरादे का जिक्र करते हुए। पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने कहा कि रवि बिश्नोई के खिलाफ उन्होंने कुछ शॉट खेलने की कोशिश की क्योंकि उन्हें पूरा भरोसा था कि बिश्नोई के पास अच्छी गति है और वे क्रीज पर खड़े होकर भी शॉट खेल सकते हैं। वह शॉट भी ठीक नहीं था, थोड़ी अच्छी लेंथ की या शॉर्ट लेंथ की गेंद थी, जिसे उन्होंने सीधे छक्के के लिए मारा। इससे पता चलता है कि विकेट अच्छा था, और साथ ही केएल का अपनी बल्लेबाजी पर भरोसा और उनके बल्लेबाजी के तरीके में बदलाव भी दिखा।

रायडू ने आगे कहा कि राहुल का उन गेंदों पर खुलकर खेलने का मन बनाना, जिन्हें वह पहले आसानी से डिफेंड कर देते थे, इस सीजन में उनके बेहतर स्ट्राइक रेट का एक मुख्य कारण है। रायडू ने कहा कि ये वो गेंदें हैं जिन्हें वह आमतौर पर खुलकर नहीं खेलते, और स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ इन लेंथ और गेंदों पर उनका खुलकर खेलना एक अच्छा संकेत है। यही वजह है कि हम उन्हें पिछले कुछ सीजनों की तुलना में इस टूर्नामेंट में इतने उच्च स्ट्राइक रेट से खेलते हुए देख रहे हैं।

जीत के बाद गरजे आशुतोष शर्मा , बोले– जब तक क्रीज पर हूं, दिल्ली कैपिटल्स को जिता सकता हूं

दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज आशुतोष शर्मा ने कहा कि वह मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में फिनिशर की भूमिका निभाने का आनंद ले रहे हैं और टीम की जीत में योगदान देकर उन्हें बहुत खुशी होती है। दिल्ली कैपिटल्स ने यहां खेले गए मैच में राजस्थान रॉयल्स पर सात विकेट से जीत हासिल की जिसमें आशुतोष ने 15 गेंदों में नाबाद 25 रन बनाकर फिनिशर की भूमिका अच्छी तरह से निभाई। इस जीत से उनकी टीम ने लगातार तीन मैचों में हार का सिलसिला तोड़ा। आशुतोष ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा, "मुझे अपनी टीम के लिए फिनिशर की भूमिका निभाकर अच्छा लगता है। टीम ने इन परिस्थितियों में मुझ पर भरोसा किया है और मुझे ऐसे मौकों पर खेलना पसंद है। मुझे हमेशा लगता है कि जब तक मैं क्रीज पर हूं टीम को जीत दिला सकता हूं।" दिल्ली के सामने 226 रन का लक्ष्य था। केएल राहुल औरपथुम निसांका ने पहले विकेट के लिए 110 रन जोड़कर उसे अच्छी शुरुआत दिलाई। आशुतोष ने कहा, "आजकल टी20 क्रिकेट में बहुत कुछ पहले विकेट की साझेदारी और पावरप्ले पर निर्भर करता है। हमारे सलामी बल्लेबाजों ने बहुत अच्छी शुरुआत दी। इसी

वजह से हम पूरे मैच में बने रहे और आखिर में जीत हासिल कर सके।" इससे पहले दिल्ली के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और काइल जैमीसन ने राजस्थान के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी को पहले दो ओवरों के भीतर आउट कर दिया था। आशुतोष ने कहा, "उनके सलामी बल्लेबाजों ने पिछले मैचों में शानदार प्रदर्शन किया था और हमारा लक्ष्य उन्हें जल्दी आउट करना था। हम इसमें सफल रहे।" इस बीच राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने स्वीकार किया कि गेंदबाजों के खराब प्रदर्शन के कारण उनकी टीम मैच हार गई। राठौड़ ने कहा, "हमारे गेंदबाज आज फिर से अपनी रणनीति पर अच्छी तरह से अमल नहीं कर पाए। हमें लगा था कि इस पिच पर 226 रन काफी थे। हमारे गेंदबाजों को इसका बचाव करना चाहिए था।" उन्होंने कहा, "जब आप इतने बड़े स्कोर का बचाव कर रहे होते हैं तो पावरप्ले में अच्छा प्रदर्शन करना महत्वपूर्ण होता है। हमने (पहले छह ओवर में) बहुत सारे रन लुटा दिए और एक भी विकेट नहीं ले पाए।" राठौड़ ने हालांकि कहा कि दोनों सलामी बल्लेबाजों के जल्दी आउट होने के बाद उनके मध्य क्रम ने अच्छी भूमिका निभाई जो टीम के लिए सकारात्मक पहलू है। कप्तान रियान पराग ने 50 गेंदों में 90 रनजबकि ध्रुव जुरेल ने 42 रन का योगदान दिया। उन्होंने कहा, "हमें लगातार अच्छी शुरुआत मिल रही थी। हमारे दोनों सलामी बल्लेबाज हर मैच में अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे। इस मैच में वह नहीं चल पाए और हम उस स्थिति से जिस तरह से बाहर निकले वह अधिक महत्वपूर्ण था।

राजस्थान रॉयल्स को दोहरा झटका, दिल्ली कैपिटल्स से हार के बाद कप्तान रियान पराग हुए चोटिल

राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने शुक्रवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में दिल्ली कैपिटल्स से मिली हार के बाद कहा कि बीच के ओवरों में और बेहतर गेंदबाजी कर सकते थे। राजस्थान रॉयल्स ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद कप्तान रियान पराग (90 रन) के अर्धशतक और अंत में डोनोवन फरेरा (14 गेंद में नाबाद 47 रन) की ताबड़तोड़ पारी की बदौलत छह विकेट पर 225 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। लेकिन केएल राहुल और पाथुम निसांका के अर्धशतक पराग की शानदार पारी पर भारी पड़े। दिल्ली कैपिटल्स ने 'प्लेयर ऑफ द मैच' राहुल (75 रन) और निसांका (62 रन) के अर्धशतकों से मिली शानदार शुरुआत के दम पर राजस्थान रॉयल्स को पांच गेंद रहते सात विकेट से शिकस्त दी।

पराग ने मैच के बाद कहा, "मुझे लगा कि यह एक अच्छा स्कोर था। 200 के आस–पास का स्कोर ठीक था। बीच के ओवरों में हम और बेहतर गेंदबाजी कर सकते थे।" वह चोटिल होने के कारण मैदान से बाहर चले गए थे। उन्होंने अपनी चोट के बारे में कहा, "उम्मीद है कि यह ज्यादा गंभीर नहीं है, हैमस्ट्रिंग चोट लगी है। एक हफ्ते का ब्रेक लूंगा, फिर सब ठीक हो जाएगा।" उन्होंने अपनी पारी के बारे में कहा, "मुझे आलोचकों को कोई जवाब देने की जरूरत नहीं है।" उनकी आंखें डबडबा गईं और उन्होंने कहा, "आखिर

ईरान की तारीफ, टूट जाएगा नॉटो, जर्मनी पर ऐसे भड़ास निकालेंगे ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के एक ताजा सोशल मीडिया पोस्ट ने अटलांटिक के दोनों किनारों पर राजनीतिक भूकंप ला दिया। ट्रंप ने जर्मनी से अमेरिकी सैनिकों को कम करने या उन्हें पूरी तरह वापस बुलाने की संभावना जताकर पेंटागन और नाटो सहयोगियों को गहरे संकट में डाल दिया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में आया है जब ईरान के साथ जारी सैन्य संघर्ष ने वैश्विक शक्तियों के बीच तनाव को चरम पर पहुंचा दिया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि संभावित फैसले की जानकारी स्वयं पेंटागन के शीर्ष अधिकारियों को भी नहीं थी। रिपोर्ट्स के अनुसार सैन्य अधि ाकारियों को ट्रंप के ट्रुथ सोशल पोस्ट के बाद ही इस योजना का पता चला। हाल ही में अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने दुनिया भर में तैनात अमेरिकी बलों की व्यापक समीक्षा की थी। जिसमें यूरोप से सैनिकों को हटाने का कोई उल्लेख नहीं था। पेंटागन के एक सूत्र ने नाम ना छापने की शर्त पर बताया कि हमारा ध यान ईरान के मोर्चे पर केंद्रित था। जर्मनी से पीछे हटना हमारी रणनीतिक गणना का हिस्सा नहीं था। इस कूटनीतिक दरार की शुरुआत जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मेर्ज के एक कड़े बयान से हुई। मेर्ज ने ईरान के साथ अमेरिका के युद्ध की आलोचना करते हुए कहा कि वाशिंगटन के पास कोई एग्जिट स्ट्रेटेजी नहीं है और अमेरिकी सेना वहां अपमानित हो रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जर्मनी इस संघर्ष में अमेरिका का आंख मूंद कर साथ नहीं देगा और ना ही अपने हवाई क्षेत्र का उपयोग करने की खुली अनुमति देगा। ट्रंप ने इस

आलोचना को व्यक्तिगत अपमान के तौर पर लिया। उन्होंने जवाबी हमला करते हुए कहा कि जर्मनी अपनी रक्षा के लिए अमेरिका पर निर्भर है। लेकिन जब सहयोग की बात आती है तो वह पीछे हट जाता है। ट्रंप ने चांसलर को सलाह दी कि वे अमेरिका को सिखाने के बजाय जर्मनी के ऊर्जा संकट और आर्थिक गिरावट पर ध्यान केंद्रित करें। अब सवाल यह है कि अमेरिका अगर जर्मनी में तैनात अपने सभी सैनिकों को वापस बुला लेता है तो इससे क्या फर्क पड़ेगा? आपको बता दें कि इसके परिणाम केवल सैन्य नहीं बल्कि ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण होंगे। जर्मनी स्थित रमस्टीन एयरबेस अमेरिका के वैश्विक सैन्य संचालन का हृदय है। इसकी अनुपस्थिति में नेटो की त्वरित कार्रवाही की क्षमता आधी रह जाएगी। इसके अलावा पोलैंड और बाल्टिक देशों जैसे पूर्वी यूरोपीय देश जो रूस को एक बड़े खतरे के रूप में देखते हैं वे खुद को असुरक्षित महसूस करेंगे। यूरोप की रणनीतिक स्वायत्ता खतरे में पड़ सकती है और अगर अमेरिका ने 38,000 सैनिक वापस बुलाए तो इससे नाटो का भविष्य खतरे में पड़ सकता है।

अमेरिका के पीछे हटने से नेटो की प्रासंगिकता पर सवाल उठेंगे। अगर गठबंधन का सबसे बड़ा साझेदार ही अपनी प्रतिबद्धताओं से पीछे हटता है तो सामूहिक सुरक्षा का सिद्धांत यानी आर्टिकल फाइव कमजोर पड़ जाएगा। जर्मनी के कई शहर जैसे स्टगार्ड और कैसलॉटन अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर आर्थिक रूप से निर्भर है। सैनिकों की वापसी से वहां के स्थानीय व्यवसायों को अरबों डॉलर का नुकसान होगा। दूसरी ओर विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका की अनुपस्थिति रूस और चीन जैसे देशों को यूरोप में अपना प्रभाव बढ़ाने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगी। विश्लेषकों का एक वर्ग इसे ट्रंप की पुरानी प्रेशर टैक्टिक्स मान रहा है। जिसका उद्देश्य यूरोपीय देशों को रक्षा बजट बढ़ाने और ईरान के मुद्दे पर अमेरिका का साथ देने के लिए मजबूर करना है। हालांकि जिस तरह से ट्रंप ने पेंटागन को दरकिनार कर यह बयान दिया है उससे यह साफ है कि ये इस बार केवल चेतावनी नहीं दे रहे बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन को बदलने का मन बना चुके हैं। देखना यह होगा कि जर्मनी से सैनिकों को कम करने या वापस बुलाने के फैसले पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आगे क्या बयान देते हैं और आगे क्या फैसला लेते हैं।

टेनिस के नए बादशाह यानिक सिनर, 350वीं जीत के साथ फेडरर और नडाल के Elite Club में शामिल

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अपने करियर की 350वीं जीत हासिल की और पहली बार मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई।

सिनर ने आर्थर फिल्स को 6–2, 6–4 से हराकर अपनी जीत का सिलसिला 22 मैच तक बढ़ा दिया। सिनर लगातार पांचवें मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में दुनिया में तीसरे नंबर के खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज्वेरेव का सामना करेंगे। जर्मन खिलाड़ी ने सेमीफाइनल में बेल्जियम के एलेक्जेंडर ब्लॉक्स को 6–2, 7–5 से हराया। सिनर लगातार पांच मास्टर्स 1000 खिताब जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बनने की कोशिश करेंगे। उन्होंने इससे पहले पेरिस, इंडियन वेल्स, मियामी और मोंटे कार्लो में खिताब जीते थे। सिनर 2000 के दशक में जन्में पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने अपने करियर में 350 मैच जीते हैं। यही नहीं सिनर एक विशिष्ट सूची में भी शामिल हो गए हैं। वह रोजर फेडरर, नोवाक जोकोविच और राफेल नडाल के बाद सभी नौ मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाले चौथे और सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी हैं। महिला वर्ग के फाइनल में मीरा एंड्रीवा का सामना मार्टा कोस्त्युक से होगा।

भाई से शादी, डार्लिंग आई लव यू–गुडनाइट, चलो सोने चलते हैं. ..Ilhan Omar पर ऐसे बरसे डोनाल्ड ट्रम्प , दुनिया हैरान

फ्लोरिडा में अपने चुनावी भाषण में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सांसद इल्हान उमर के खिलाफ एक लंबा–चौड़ा भाषण दिया। उन्होंने प्रगतिशील डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी की नकल करते हुए एक अजीब लहजे का इस्तेमाल किया और फिर रूढ़िवादी हलकों में फैले उस अप्रमाणित दावे से जुड़ी कहानी सुनाना शुरू कर दिया कि उमर ने अपने भाई से शादी की है। उन्होंने पहले उमर की नकल करते हुए यह दावा किया कि वह अमेरिका विरोधी हैं। ट्रंप ने इल्हान उमर की आवाज से ज्यादा पॉल मैककार्टनी की खराब आवाज में नकल की उन्होंने आगे कहा वह सोमालिया से यहां आती हैं और हमें यह बताने की कोशिश करती हैं कि संयुक्त राज्य अमेरिका को कैसे चलाया जाए। वह कहती हैं संविधान मुझे कुछ अधिकार देता है, मुझे कुछ अधिकार देता है,और मैं मांग करती हूं कि मुझे ये अधिकार दिए जाएं दफा हो जाओ, कितनी पाखंडी है! ट्रंप ने दोनों के बीच एक हास्यास्पद काल्पनिक संवाद शुरू करने से पहले कहा कि मुझे लगता है कि

उसने अपने भाई से शादी की है, जो पूरी तरह से गैरकानूनी है। दरअसल, वे एक प्यारा जोड़ा हैं, लेकिन यह थोड़ा गैरकानूनी सा है। ट्रंप ने कहा कि मेरा मानना है कि उन्होंने अपने भाई से शादी की है, जो पूरी तरह से गैर–कानूनी है, हालांकि ये एक लवली कपल है लेकिन ये गैर–कानूनी है. डार्लिंग मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं, गुडनाइट, ब्रदर. चलो बिस्तर पर चलते हैं। क्या यह घिनौनी बात नहीं है? भारत विरोधी एजेंडा चलाने वाले इल्हान उमर के लिए ट्रंप के यह शब्द किसी सर्जिकल स्ट्राइक से कम नहीं है। ट्रंप का साफ कहना है कि जो देश के संविधान का इस्तेमाल सिर्फ अपने हक के लिए करते हैं और अंदर ही अंदर धोखाधड़ी का जाल बुनते हैं उनके लिए अमेरिका में कोई जगह नहीं होनी चाहिए। इल्हान उमर ने एक्स पर जवाब देते हुए ट्रंप की टिप्पणियों को खारिज कर दिया और उनके कानूनी रिकॉर्ड और विश्वसनीयता पर हमला किया। उन्होंने कहा कि यह बेतुकी बकवास गुस्सा दिलाती, अगर यह किसी ऐसे अपराधी की तरफ से न आती, जिस पर 34 गंभीर अपराधों के आरोप हैं, जिस पर बलात्कार का आरोप है और जिस पर बच्चों का यौन शोषण करने का आरोप है।

वाशिंगटन की वादाखिलाफी से भड़का ईरान, कहा- अमेरिका से वॉर की पूरी संभावना है

ईरान के सशस्त्र बलों ने चेतावनी दी है कि संयुक्त राज्य अमेरिका और इजराइल के साथ शत्रुता फिर से शुरू हो सकती है, यह कहते हुए कि संघर्ष के फिर से भड़कने की संभावना है और वाशिंगटन पर समझौतों का सम्मान करने में विफल रहने का आरोप लगाया है। ये टिप्पणियां ईरान के सैन्य मुख्यालय के उप प्रमुख मोहम्मद जाफर असदी ने फार्स समाचार एजेंसी द्वारा जारी एक बयान में कीं। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी अधिकारियों की हालिया कार्रवाइयां और बयान राजनयिक प्रयासों के प्रति वास्तविक प्रतिबद्धता की कमी दर्शाते हैं। असदी ने कहा कि अमेरिकी संदेश काफी हद तक मीडिया की मांगों से प्रेरित प्रतीत होते हैं, जिनका उद्देश्य तेल की कीमतों में गिरावट को रोकना और खुद को उस स्थिति से दूर रखना है जो उसने खुद पैदा की है। उन्होंने आगे कहा कि ईरान की सेना हाई अलर्ट पर है और किसी भी तरह के तनाव बढ़ने का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है और उन्होंने अमेरिका द्वारा संभावित नए दुस्साहस के प्रति चेतावनी दी। ईरान के सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए के अनुसार, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा पाकिस्तान में मध्यस्थों के माध्यम से भेजे गए वार्ता के नवीनतम प्रस्ताव को अस्वीकार करने के बाद उनका यह बयान आया है।

सीएचसी चिरैयाटांड़ में बिजली संकट से मरीज बेहाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद के हुजूरपुर क्षेत्र स्थित चिरैयाटांड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बिजली आपूर्ति ठप होने से स्वास्थ्य सेवाएं गंभीर रूप से प्रभावित हो गई हैं। अस्पताल में लगातार बिजली न रहने के कारण मरीजों और उनके तीमारदारों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, पिछले कई दिनों से अस्पताल में नियमित बिजली नहीं मिल रही है। खासकर रात के समय स्थिति और चिंताजनक हो जाती है, जब अंधेरे में इलाज करना मजबूरी बन जाता है। कई बार डॉक्टर और स्टाफ मोबाइल टॉर्च या अन्य अस्थायी साधनों की मदद से मरीजों का उपचार करने को विवश हैं।

गर्मी और उमस के बीच बिना बिजली के वार्डों में रहना मरीजों के लिए बेहद कष्टदायक हो गया है। बुजुर्ग, बच्चे और गंभीर रूप से बीमार मरीज सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। पंखे और अन्य जरूरी उपकरण बंद रहने से परेशानी और बढ़ गई है। स्थानीय नागरिकों ने स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैसी आवश्यक सेवा में बिजली की कमी एक गंभीर लापरवाही है, जिसे तुरंत दुरुस्त किया जाना चाहिए। प्रशासन से उम्मीदरू लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही बिजली व्यवस्था बहाल नहीं की गई, तो मरीजों की जान को खतरा बढ़ सकता है। उन्होंने प्रशासन से अपील की है कि समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि अस्पताल में इलाज सुचारू रूप से संचालित हो सके।

पयागपुर में श्रमिक आरोग्य शिविर आयोजित, 117 श्रमिकों को मिली स्वास्थ्य सेवाएं

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच/पयागपुर। अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देशन में सीएचसी पयागपुर अंतर्गत

उपकेंद्र चंदवापुर (आकाश बिक्र फील्ड, कलाम सतरही) में श्रमिक आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। शिविर का संचालन पयागपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ. धीरेन्द्र तिवारी के नेतृत्व में किया गया। शिविर में 100 से अधिक श्रमिकों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं, जिनमें सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण, ब्लड प्रेशर, शुगर जांच तथा टीबी स्क्रीनिंग शामिल रही। इसके साथ ही बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण और आवश्यक टीकाकरण भी किया गया। कुल 117 लाभार्थियों को सेवाओं का लाभ मिला। इस दौरान डॉ. प्रभात कुमार, डॉ. तूलिका बाजपेई, हिमांशु मिश्रा, नेत्र सहायक सुभाष तिवारी और मुकीम अहमद ने अपनी सेवाएं दीं। मरीजों को चिकित्सकीय परामर्श के साथ निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम के समापन पर अधीक्षक डॉ. तिवारी ने श्रमिकों को नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के संचालक भानु प्रकाश मिश्रा ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे श्रमिकों के हित में सराहनीय कदम बताया और स्वास्थ्य टीम का आभार व्यक्त किया। शिविर में बीपीएम अनुपम शुक्ल, बीसीपीएम अजय यादव, वैशाली तोमर (सीएचओ), सरस्वती शुक्ला, कुसुम त्रिपाठी (एएनएम), एसटीएस राजेश श्रीवास्तव, आयुष्मान मित्र रोहित मिश्रा सहित आशा कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में लाभार्थियों की उपस्थिति रही।

मजदूर दिवस पर श्रमिकों का सम्मान, स्पार्क कॉलेज की पहल सराहनीय

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर स्पार्क कॉलेज की डायरेक्टर डॉ. अभिलाषा वर्मा द्वारा शहर के घंटाघर चौराहे पर श्रमिकों के सम्मान में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए सैकड़ों मजदूरों को पानी की बोतलें, गमछा और मिठाई वितरित की गई। इस पहल से श्रमिकों को राहत मिली और उनके चेहरों पर संतोष और खुशी साफ झलकती दिखी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. अभिलाषा वर्मा ने कहा कि मजदूर देश की प्रगति की मजबूत नींव होते हैं और उनके परिश्रम से ही समाज और राष्ट्र आगे बढ़ता है। उन्होंने कहा कि मजदूरों के प्रति सम्मान और संवेदना रखना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है। भीषण गर्मी में कार्यरत श्रमिकों के

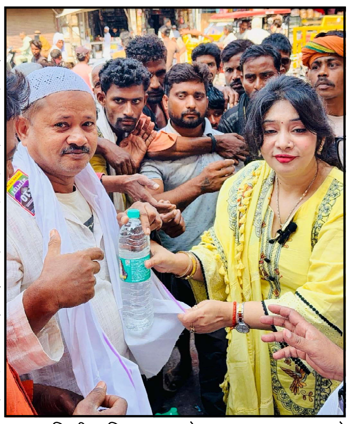

लिए यह छोटा सा प्रयास उनके प्रति आभार प्रकट करने का माध्यम है। साथ ही उन्होंने समाज के सक्षम वर्ग से अपील की कि वे जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आएं, जिससे एक संवेदनशील और सहयोगी समाज का निर्माण हो सके। इस पहल की स्थानीय नागरिकों और राहगीरों ने भी जमकर सराहना की।

सरकार के हरियाली सपने को जिम्मेदार अफसर कर रहे चकनाचूर, अवैध प्रतिबंधित वृक्षों की कटान तेज, कार्यवाही शून्य

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में लगातार अवैध तरीके से हरे

भरे वृक्षों के हो रहे कटान कहीं न कहीं वन दरोगाओं से लेकर वन क्षेत्राधिकारियों और प्रभागीय वनाधिकारी के कार्यशैली पर बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है,जिस तरह से अवैध प्रतिबंधित वृक्षों की कटान कर लकड़ियो से लदी हुई ट्रैक्टर-ट्रॉली रोड पर फर्राटा भरते नजर आ रही है। जिम्मेदार अफसरों ने नज़रें क्या फेरी हरियाली का दंभ भरने वाली सरकार के सपने चकनाचूर हो रहे हैं तो हरियाली सिर्फ कागजों में ही आक्सीजन लेने को मजबूर हैं।हाल ही में वायरल हो रहे फोटो करनैलगंज/कटरा , परसपुर, कुआनो, पंडरी कृपाल वन क्षेत्र मे अवैध कटान की चर्चा है। वायरल फोटो के अनुसार बताया जा रहा है कि करनैलगंज/कटरा और कुआनो वन रेंज तथा पंडरी कृपाल वन रेंज में आम, सागौन, महुआ आदि प्रतिबंधित वृक्षों की कटान चरम पर है लेकिन सूचना के बाद भी वन क्षेत्राधिकारी और उनके मातहत सिर्फ खानापूर्ति करके छुटकारा लेते नजर आ रहे हैं,तो प्रभागीय वनाधिकारी गोन्डा भी मीडिया से दूरी बनाते नजर आ रहे हैं। कुआनो रेन्ज अन्तर्गत रेतवागाड़ा गनेशपुर ग्रिन्ट में अवैध तरीके से कटान कर महुआ और आम लदने की सूचना सूत्रों से प्राप्त हुआ तथा गुगल फोटो भी लोगों द्वारा भेजा गया जिसकी जानकारी सबसे पहले वन क्षेत्राधिकारी कुआनो को व्हाट्सएप पर भेजकर दूरभाष पर काल किया गया परन्तु घंटी बजती रही उठा नहीं। इसी सम्बन्ध में प्राप्त फोटो और डिटेल उपवनाधिकारी गोन्डा के व्हाट्सएप पर भेजा गया परन्तु कार्यवाही की जानकारी खबर लिखे जाने तक नहीं मिलध सकी। वन रेंज क्षेत्र पंडरी कृपाल भी अवैध कटान का हब बनता जा रहा है।जल्द ही पंडरी कृपाल क्षेत्र अन्तर्गत अवैध कटान पर बड़ी खबर पढ़ने को मिलेंगी जगह जगह अवैध लदान और कटान पर पैनी नजर बनी हुई है सूत्र बताते हैं कि ट्रको के निकासी के नाम पर भी सुकरान दिया जाता है।

3 मई से लगातार 9 दिवसीय होने वाली श्रीराम कथा की सभी तैयारियां पूरी,सुरक्षा के रहेंगे कडे़ इंतजाम

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जिले के कटरा बाजार विधानसभा क्षेत्र के पैड़ीबरा स्थित सम्मय माता मंदिर में 9 दिवसीय श्रीराम कथा की सभी तैयारियां पूरी कर की जा रही हैं। श्रीराम कथा आयोजन समिति ने

शुक्रवार को आज जिले के एक निजी होटल में प्रेस वार्ता आयोजित कर कथा के बारे में विस्तृत जानकारी दी है।समिति के अनुसार, गोन्डा और अयोध्या सहित चार मंडलों से लगभग 2 लाख से अधिक भक्त कथावाचक राजन जी महाराज की श्रीराम कथा में शामिल होंगे।यह कथा कराने हेतु वर्ष 2022 में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि भवानी भीख शुक्ल द्वारा बुक कराई गई थी।चार साल के इंतजार के बाद,यह श्रीराम कथा 3 मई से 11 मई तक आयोजित की जाएगी।कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए जाएंगे।पुलिस अधिकारियों ने आयोजन समिति के सदस्यों से मिलकर सुरक्षा संबंधी जानकारी ली है।श्रीराम कथा आयोजन समिति ने पूरे योगी मंत्रिमंडल,उत्तर प्रदेश के सभी विधायकों, कई डिप्टी सीएम और केंद्रीय मंत्रियों को भी आमंत्रण पत्र भेजे हैं। इसके अतिरिक्त कई बड़े अभिनेता, गायक और राजनेता भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। आयोजन समिति के मुख्य सदस्य और ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि भवानी भीख शुक्ल ने बताया कि चार मंडलों में करीब 2 लाख लोगों को आमंत्रण पत्र वितरित किए गए हैं। समिति ने सभी लोगों से 3 मई से 11 मई तक आयोजित होने वाली इस श्रीराम कथा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।गांव गांव जाकर के लोगों को कार्ड के माध्यम से इस कथा में शामिल होने के लिए जागरूक भी किया जा रहा है 9 दिवसीय इस कथा के दौरान अलग-अलग तरीके से कार्यक्रम भी आयोजित किए गए हैं। श्री राम कथा महिमा से श्रीकथा की शुरुआत होगी सुंदरकांड व श्री राम राज्याभिषेक के साथ इस कथा का समापन होगा और 12 मई को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है।

विकास के दावे चढ़े कमीशन की भेंट दिखी साफ तस्वीर बना मौत का सड़क

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। बलरामपुर प्रशासनिक विकास के दावों की चका चौंध के बीच हकीकत एक बार फिर सामने आ रही है जहां ओवर ब्रिज पर बनी सड़क धस गई है राष्ट्रीय राजमार्ग 730 पर स्थित पचपेड़वा ओवर ब्रिज पर सड़क धसने की घटना ने न सिर्फ निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर दिए हैं बल्कि कार्य दाई संस्था के कथितभ्रष्टाचार की पोल भी खोल दिए हैं हालात ऐसे हैं कि यह ओवर ब्रिज अब राहगीरों के लिए मौत का जाल बन चुका है स्थानीय लोगों का आरोप है कि कुछ ही समय पहले बने इस ओवर ब्रिज पर सड़क का इस तरह धंस जाना साफ संकेत है कि निर्माण में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया भारी वाहनों के आवाजाही के बीच सड़क का यह हिस्सा कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकता है रात के समय यह खतरा और भी बढ़ जाता है जब अनजान वाहन इस गड्ढे का शिकार हो सकते हैं।

गुजरात स्थापना दिवस पर एसकेएस कॉलेज में सांस्कृतिक व जनजागरूकता कार्यक्रमों की धूम

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। गुजरात स्थापना दिवस के अवसर पर एसकेएस कॉलेज, सबलापुर में विविध सांस्कृतिक एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रैली, गरबा-रास, सफाई अभियान, टीबी पोषण पोटली वितरण, मंदिर भ्रमण एवं फैशन शो जैसी गतिविधियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत जागरूकता रैली से हुई, जो कॉलेज परिसर से निकलकर चेतरा गांव तक पहुंची। रैली में विद्यार्थियों ने हाथों में तख्तियां लेकर स्वास्थ्य, स्वच्छता और सामाजिक जागरूकता से जुड़े संदेश प्रसारित किए। इसके पश्चात कॉलेज परिसर में सफाई

अभियान चलाकर स्वच्छता का संदेश दिया गया। बीएससी नर्सिंग के विद्यार्थियों ने टीबी मरीजों के लिए पोषण पोटली वितरित कर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने का सराहनीय कार्य किया। मंदिर भ्रमण के माध्यम से छात्रों को सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों से भी जोड़ा गया। कार्यक्रम के दौरान गरबा और रास की रंगारंग प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया, वहीं फैशन शो में छात्र-छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता और आत्मविश्वास का परिचय दिया, जिसे उपस्थित जनों ने खूब सराहा। कॉलेज की नर्सिंग प्राचार्य डॉ. के. रोजा रानी ने गुजरात स्थापना दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को एकता, संस्कृति और सेवा भावना को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रबंधक आस्था शुक्ला, प्रशासनिक प्रबंधक विनोद त्रिपाठी, एकाउंट मैनेजर नीलेश तिवारी, एसोसिएट प्रोफेसर संगीता पाल, उदय प्रताप वर्मा, चंदन शर्मा, सुषमा गिरी, सौम्या सिंह, आंचल सिंह, एकता सिंह, लवीशा, संगीता, अर्पिता, कीर्ति, मोनिका, यशवंत, रवींद्र, धर्मेंद्र तिवारी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

प्रसूता के ऑपरेशन में लापरवाही: पेट में गॉज छोड़ने पर मेडीवे हॉस्पिटल सील

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। सीएमओ कार्यालय से चंद दूरी पर

संचालित मेडीवे हॉस्पिटल में गंभीर चिकित्सीय लापरवाही का मामला सामने आने पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। गर्भवती महिला के ऑपरेशन के दौरान उसके पेट में गॉज (सर्जिकल स्पंज) छोड़ देने की पुष्टि होने पर शनिवार को अस्पताल को सील कर दिया गया। साथ ही महिला सर्जन और संबंधित चिकित्साधिकारी के खिलाफ विधिक कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। पीड़ित अजय तिवारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि 5 सितंबर 2025 को उनकी पत्नी अंजू देवी का मेडीवे हॉस्पिटल में सिजेरियन प्रसव कराया गया था, जिसमें एक बच्ची का जन्म हुआ। ऑपरेशन के कुछ दिनों बाद अंजू की तबीयत बिगड़ने लगी। दोबारा अस्पताल में दिखाने पर अल्ट्रासाउंड के बाद दवाएं दी गईं, लेकिन हालत में सुधार नहीं हुआ। बाद में महिला चिकित्सक ने उन्हें रेफर कर डिस्चार्ज कर दिया। स्थिति गंभीर होने पर अंजू का इलाज बहराइच के एक अस्पताल में कराया गया, जहां जांच में पता चला कि उनके पेट में गॉज फंसा हुआ है, जिससे आंत में सड़न हो गई। इसके चलते उन्हें पहले बाईपास सर्जरी और फिर आंतों का दोबारा उपचार कराना पड़ा, जिसमें लगभग छह लाख रुपये का खर्च आया। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीएमओ डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने चार सदस्यीय जांच टीम गठित की थी। एसीएमओ डॉ. संतोष कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में टीम ने पीड़ित, अस्पताल संचालक और संबंधित चिकित्सकों के बयान दर्ज किए। जांच रिपोर्ट में लापरवाही की पुष्टि होने पर अस्पताल को सील करने की कार्रवाई की गई। इस दौरान पटल सहायक राजेश सिंह भी मौजूद रहे।

डीएम व एसपी ने संयुक्तरूप से जिला कारागार का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में मण्डलीय कारागार है जिसको

लेकर समय समय पर जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया जाता है।इसी क्रम में जिलाधिकारी श्रीमती प्रियंका निरंजन एवं पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने जिला कारागार का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने वहां पर कैदियों से वार्ता की तथा उन्हें जेल में दी जा रही सुविधाओं एवं उनकी समस्याओं के संबंध में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान कारागार अस्पताल में जाकर वहां पर भर्ती कैदियों से मुलाकात किया, साथ ही सभी भर्ती कैदियों से वार्ता कर उनकी समस्याओं के संबंध में जानकारी ली। जिलाधिकारी तथा एसपी ने स्वयं विभिन्न बैरकों, अस्पताल, भोजनालय, भंडार कक्ष, पुस्तकालय आदि का निरीक्षण किया तथा संबंधित को निर्देश दिए कि जेल में जेल मैनुअल के अनुसार कैदियों को सभी सुविधाएं मुहैया कराई जाएं। इसके साथ ही ऐसे कैदी जिनके पास वकील नहीं है उनके लिए सरकारी वकील का भी प्रबंध कराया जाय। जेल में निरुद्ध कैदियों का बराबर मेडिकल चेकअप कराने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने महिला बन्दियों वार्ता की, उन्होंने कहा कि यदि किसी के पास वकील नहीं है तो बता दीजिए वकील की व्यवस्था करा दी जायेगी। निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक, डिप्टी जेलर, कारागार डॉक्टर सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अनुपस्थित 15 एआरपी को नोटिस, जवाब तलब

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। बेसिक शिक्षा विभाग की मासिक समीक्षा बैठक से अनुपस्थित रहने वाले 15 एआरपी (अकादमिक रिसोर्स पर्सन) के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई है। विभाग ने सभी अनुपस्थित एआरपी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जानकारी के अनुसार, 29 अप्रैल को आयोजित मासिक समीक्षा बैठक में विकास खंड स्तर पर कार्यरत एआरपी की उपस्थिति अनिवार्य थी, लेकिन 15 एआरपी बिना सूचना के बैठक में शामिल नहीं हुए। इसे गंभीरता से लेते हुए विभाग ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर संतोषजनक जवाब न देने पर संबंधितों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। विभाग का कहना है कि शैक्षणिक गतिविधियों की निगरानी और गुणवत्ता सुधार के लिए एआरपी की भूमिका अहम होती है, ऐसे में बैठक से अनुपस्थिति लापरवाही दर्शाती है। विभागीय अधिकारियों ने यह भी संकेत दिया है कि अनुशासनहीनता किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और कार्य में लापरवाही बरतने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ग्राम विकास अधिकारी की कार में लगी आग, बड़ा हादसा टला

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। बहराइच जनपद में एक बड़ा हादसा टल गया जब सड़क किनारे खड़ी एक कार अचानक आग का गोला बन गई। घटना देहात कोतवाली क्षेत्र के सिविल लाइन के पास की है, जहां शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि सिविल लाइन निवासी राकेश वर्मा, जो कि श्रावस्ती जनपद के इकौना में ग्राम विकास अधिकारी के पद पर तैनात हैं, ड्यूटी पर जा रहे थे। इसी दौरान उनकी कार में अचानक आग लग गई। स्थिति को भांपते हुए उन्होंने तुरंत कार से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। कुछ ही देर में आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया और वाहन जलकर पूरी तरह खाक हो गया। हालांकि, समय रहते बाहर निकल जाने से एक बड़ा हादसा टल गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची टीम ने आग पर काबू पाया। प्राथमिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने का कारण माना जा रहा है।

शिकायतकर्ताओं की शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से किया जाये सुनिश्चित: जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। शासन की मन्शा के अनुरूप जिले की चारों तहसीलों में मई महीने के प्रथम शनिवार को ''सम्पूर्ण समाधान दिवस'' का आयोजन किया गया, सम्पूर्ण समाधान दिवस ओबरा में जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़, पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक वर्मा द्वारा शिकायतकर्ताओं की शिकायतों को सुना गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में भूमि विवाद से सम्बन्धित प्राप्त हुए, मामलों को स्थलीय स्थिति की जॉच करते हुए टीम द्वारा प्रकरणों की स्थलीय जॉच कर निस्तारण कराने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारी को दिये। इस दौरान जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शिकायतों के निस्तारण के बाद शिकायतकर्ताओं का फीडबैक लेते हुए शिकायतों का निस्तारण किया जाये, जिससे कि शिकायतकर्ता को किसी प्रकार की समस्या न हो और उनके प्रकरण का निस्तारण समय से किया जा सके। उन्होने के कहा कि प्रत्येक प्रकरण को गम्भीरता से लेकर जॉच कर निस्तारण आख्या प्रस्तुत की जाये। सम्पूर्ण समाधान दिवस के मौके पर जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़, पुलिस अधीक्षक अभिषेक वार्मा उप जिलाधिकारी ओबरा विवेक सिंह आदि ने 61 शिकायतें सुनते हुए, मौके पर ही 03 मामलें निस्तारित किये गये और 02 टीम को क्षेत्र में भेजकर 02 प्रकरण को निस्तारित किया गया। इस प्रकार तहसील दिवस ओबरा में कुल 05 मामले निस्तारित हुए, बाकी 56 प्रकरणों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के निर्देश सम्बन्धित को दिये गये। इस मौके पर तहसीलदार ओबरा, नायब तहसीलदार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहें। सम्पूर्ण समाधान दिवस रावर्टसगंज में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ, इस मौके पर तहसील में आये शिकायतकर्ताओं की शिकायतों का निस्तारण किया गया, इस दौरान क्षेत्रों में भी टीम भेजकर प्रकरणों का निस्तारण कराया गया और सम्बन्धित को निर्देशित भी किया गया कि इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाये। अवशेष मामलों को गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकार जागृति अवस्थी, उप जिलाधिकारी सदर श्री अश्वनी कुमार, तहसीलदार सदर अमित कुमार आदि ने 56 शिकायतें सुनते हुए, मौके पर ही 08 मामलें निस्तारित किये गये, इस प्रकार तहसील दिवस रावर्टसगंज में कुल 08 मामले निस्तारित हुए, बाकी 48 प्रकरणों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के निर्देश सम्बन्धित को दिये गये। सम्पूर्ण समाधान दिवस घोरावल का आयोजन उप जिलाधिकारी घोरावल आशीष कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ, इस मौके पर तहसील में शिकायतकर्ता के माध्यम से प्राप्त प्रार्थना–पत्रों का निस्तारण किया गया, इस दौरान उप जिलाधिकारी घोरावल आशीष कुमार त्रिपाठी ने प्रकरणों का निस्तारण कराते हुए सम्बन्धित को निर्देशित भी किया गया कि इसमें किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाये, अवशेष मामलों को गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस मौके पर उप जिलाधिकारी घोरावल आशीष कुमार त्रिपाठी व तहसीलदार घोरावल प्रवीण कुमार आदि ने 71 शिकायतों को सुनते हुए ,मौके पर ही 05 मामलें निस्तारित किये गये, इस प्रकार तहसील दिवस घोरावल में कुल 05 मामले निस्तारित हुए, बाकी 66 प्रकरणों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के निर्देश सम्बन्धित को दिये गये। सम्पूर्ण समाधान दिवस दुद्धी का आयोजन अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ, इस मौके पर तहसील दिवस में आये शिकायतकर्ताओं की शिकायतों का निस्तारण किया गया अवशेष मामलों को गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस मौके पर उप जिलाधिकारी दुद्धी श्री निखिल यादव, तहसीलदार दुद्धी, सी0ओ0 दुद्धी व पिपरी आदि ने 53 शिकायतें सुनते हुए, मौके पर ही 02 मामलें निस्तारित किये गये और बाकी 51 प्रार्थना पत्रों को समयबद्ध और गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण के लिए निर्देश सम्बन्धित को दिये गये। चारों तहसीलों में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल शिकायतें–241 प्राप्त हुयी, जिसमें से 20 शिकायतों का निस्तारण टीम भेजकर और मौके पर किया गया।

जिलाधिकारी के निर्देश पर शिवद्वार मंदिर परिसर में चला स्वच्छता एवं मरम्मत अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जनपद में स्वच्छता एवं नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देशानुसार शनिवार को शिवद्वार मंदिर परिसर में विशेष साफ–सफाई एवं मरम्मत अभियान चलाया गया। उल्लेखनीय है कि गत दिवस जिलाधिकारी द्वारा मंदिर परिसर का निरीक्षण किया गया था, जहां उन्होंने दर्शन–पूजन करने के पश्चात मंदिर के आसपास की साफ–सफाई, सार्वजनिक सुलभ शौचालय एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिए थे स निरीक्षण के दौरान परिसर में गंदगी एवं शौचालय की खराब स्थिति पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए जिला पंचायत राज अधिकारी को तत्काल साफ–सफाई सुनिश्चित कराने तथा सुलभ शौचालय की मरम्मत कराने के निर्देश दिए थे। उक्त निर्देशों के अनुपालन में आज सफाई कर्मियों की टीम लगाकर मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर स्वच्छता अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान कूड़ा–करकट हटाया गया, नालियों की सफाई की गई तथा पूरे परिसर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाया गया। साथ ही, सार्वजनिक सुलभ शौचालय की मरम्मत का कार्य भी तेजी से प्रारंभ कर दिया गया है। इस पहल से स्थानीय नागरिकों एवं श्रद्धालुओं में प्रसन्नता का माहौल देखा गया। लोगों ने प्रशासन के इस प्रयास की सराहना करते हुए स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग का भरोसा जताया। प्रशासन द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि जनहित से जुड़े ऐसे अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे और लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विदुषी गौरी बनर्जी की सारंगी वादन से गूंजा इकौना, छात्रों ने लिया संगीत का आनंद

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। संस्कृति मंत्रालय उत्तर प्रदेश, भातखंडे संस्ति विश्वविद्यालय एवं **SPIC MACAY** के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित तृतीय चरण (01.05 मई 2026) के कार्यक्रम के दूसरे दिन इकौना क्षेत्र के अनंता पब्लिक स्कूल एवं जनता इंटर

कॉलेज, गोपालपुर में शास्त्रीय संगीत का भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय सारंगी वादक विदुषी गौरी बनर्जी ने अपनी प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया, वहीं कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के विजिटिंग प्रोफेसर एवं तबला वादक पंडित किशोर बनर्जी की संगत ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। शनिवार को आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं कलाकारों.गौरी बनर्जी, पंडित किशोर बनर्जी, स्पिक मैके देवीपाटन–बस्ती मंडल के ग्रुप कोऑर्डिनेटर लेटिनेंट (डॉ.) देवेन्द्र कुमार चौहान, जनता इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य दिनेश कुमार मिश्र एवं अनंता पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या मीरा पाण्डेय.द्वारा दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विदुषी गौरी बनर्जी ने राग नटभैरव से की, जिसके बाद राग भूपाली एवं मधुमती की प्रस्तुतियों में सारंगी और तबले की जुगलबंदी ने उपस्थित श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। "अच्युतम केशवम .ष्ण दामोदरम" की सुरमयी धुन ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। ग्रुप कोऑर्डिनेटर लेटिनेंट (डॉ.) देवेन्द्र कुमार चौहान ने स्पिक मैके, भातखंडे संस्ति विश्वविद्यालय एवं संस्ति मंत्रालय उत्तर प्रदेश के प्रयासों की सराहना करते हुए विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों एवं छात्र–छात्राओं के सहयोग की प्रशंसा की तथा इस सांस्तिक आंदोलन से जुड़ने की अपील की। कार्यक्रम में कन्हैया लाल शुक्ल, राजन शर्मा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आयोजन के अंत में सभी ने कलाकारों के उत्.ष्ट प्रदर्शन की सराहना की।

संपूर्ण समाधान दिवस में अधिवक्ताओं ने सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

ओबरा/सोनभद्र। तहसील ओबरा में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर अधिवक्ताओं व स्थानीय नागरिकों ने तेलगुड़वा से कोन तथा कोन से विंढमगंज मार्ग के निर्माण में अनियमितताओं को लेकर अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाते हुए मानकों के अनुरूप कार्य कराने की मांग की गई। अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया कि सड़क निर्माण के दौरान पानी का छिड़काव न के बराबर किया जा रहा है, जिससे सड़क ठीक से बैठ नहीं पा रही और धूल का गुबार उड़ रहा है। इससे आमजन, राहगीरों व आसपास के निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। धूल के कारण सांस संबंधी बीमारियों, दमा और अन्य रोगों के बढ़ने की आशंका भी जताई गई है। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि सड़क निर्माण के दौरान जगह–जगह गड्ढे रह जा रहे हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। कई स्थानों पर आरसीसी ड्रेन और सड़क के जोड़ सही तरीके से नहीं किए गए हैं, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर पलटने की घटनाएं सामने आ रही हैं। वहीं तेलगुड़वा से कोटा कनहर तक बनी सड़क पर दोपहिया वाहनों के चलने से ही निशान पड़ जा रहे हैं, जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। अधिवक्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि बिना पुरानी सड़क हटाए ही सोलिंग डाल दी गई है, जो भारी वाहनों के दबाव में जल्द ही क्षतिग्रस्त हो सकती है। आरटीआई के माध्यम से बार–बार मानक की जानकारी मांगे जाने के बावजूद संबंधित विभाग द्वारा कोई स्पष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि सड़क निर्माण कार्य मानकों के अनुरूप कराया जाए, निर्माण मानक की प्रमाणित प्रति उपलब्ध कराई जाए तथा धूल नियंत्रण के लिए नियमित रूप से पानी का छिड़काव सुनिश्चित किया जाए। साथ ही किसानों की मदद से भी पानी छिड़काव कराने का सुझाव दिया गया। ज्ञापन देने वालों में प्रभास कुमार पांडेय एडवोकेट, संपूर्णानंद एडवोकेट, विनय कुमार कनौजिया एडवोकेट, अजीत कुमार एडवोकेट, प्रभाकर दुबे, सुदामा दुबे, राधेश्याम, विकास कुमार, दिवाकर कनौजिया, मुकेश कनौजिया, हरिशंकर यादव, ईश्वर जायसवाल एडवोकेट सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी के निर्देश पर शाहगंज मार्केट में चला विशेष स्वच्छता अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जनपद में स्वच्छता व्यवस्था को सु.ढ़ बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देशानुसार शनिवार को शाहगंज मार्केट में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। विदित हो कि गत दिवस जिलाधिकारी द्वारा किए गए निरीक्षण के दौरान शाहगंज मार्केट में व्यापक गंदगी पाई गई थी, जिस पर उन्होंने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल प्रभाव से साफ–सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश जिला पंचायत राज अधिकारी को दिए थे। इन्हीं निर्देशों के क्रम में आज लगभग 100 सफाई कर्मियों की टीम लगाकर शाहगंज मार्केट में व्यापक स्तर पर स्वच्छता अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान नालियों की सफाई, कूड़ा–करकट का निस्तारण तथा पूरे बाजार क्षेत्र की विशेष सफाई कराई गई। सफाई कार्यों की निरंतर मॉनिटरिंग भी की गई, जिससे कार्य गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से पूर्ण हो सके। जिला पंचायत के नेतृत्व में संचालित इस अभियान के परिणामस्वरूप शाहगंज मार्केट को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाया गया। स्थानीय व्यापारियों एवं नागरिकों ने भी इस पहल की सराहना की और स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग का आश्वासन दिया। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि स्वच्छता अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा तथा लापरवाही पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

राशन कार्ड डेटा से जुड़ेंगी महिलाएं, स्वयं सहायता समूहों से सशक्तिकरण की पहल तेज

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद में आर्थिक रूप से कमजोर एवं पात्र महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रशासन की नई पहल को व्यापक सराहना मिल रही है। विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में राशन कार्ड डेटा के आधार पर पात्र गृहस्थी और अंत्योदय परिवारों की महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों (ैभ्ळ) से जोड़ने की योजना पर विस्तार से चर्चा की गई। इस पहल को ग्रामीण महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। भारतीय किसान यूनियन (भानु) के राष्ट्रीय मुख्य महासचिव चन्द्र भान सिंह ने प्रशासन के इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि यदि योजना को पारदर्शिता और गंभीरता के साथ लागू किया गया, तो हजारों निर्धन महिलाओं को स्वरोजगार और आर्थिक सु.ढ़ता का अवसर मिलेगा। उन्होंने प्रशासन को दिए गए ज्ञापन में मांग उठाई कि ग्राम पंचायत स्तर पर राशन कार्ड धारकों की सूची का सत्यापन कराया जाए और उन महिलाओं की सूची सार्वजनिक की जाए, जो अब तक स्वयं सहायता समूहों से नहीं जुड़ पाई हैं। इससे योजना का लाभ वास्तविक पात्रों तक पहुंच सकेगा। संगठन की ओर से यह भी सुझाव दिया गया कि ब्लॉक मिशन मैनेजर और खंड विकास अधिकारियों को गांव–गांव जाकर पात्र परिवारों तक पहुंचने के निर्देश दिए जाएं, ताकि जानकारी के अभाव में कोई भी जरूरतमंद महिला योजना से वंचित न रहे। साथ ही समूहों से जुड़ने वाली महिलाओं को प्रशिक्षण, स्वरोजगार और लघु उद्योगों से जोड़ने की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग भी की गई। भारतीय किसान यूनियन (भानु) ने विश्वास जताया कि प्रशासन के सहयोग और ठोस कार्ययोजना के जरिए यह पहल ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में मील का पत्थर साबित होगी।

संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने फार्मर रजिस्ट्री अभियान की समीक्षा कर दिए आवश्यक निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। ओबरा में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर

पर जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने फार्मर रजिस्ट्री अभियान के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष हो रही फार्मर रजिस्ट्री एवं अंश निर्धारण कार्यों की गहन समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अभियान की प्रगति का मूल्यांकन के लिए सभी जनपद स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किये कि वे गांवों में जाकर स्वयं स्थलीय निरीक्षण करें तथा अभियान की प्रगति सुनिश्चित कराएं। जिलाधिकारी ने कहा कि फार्मर रजिस्ट्री एवं खातेदारों के अंश निर्धारण का कार्य शासन की प्राथमिकता से जुड़ा हुआ है, इसमें किसी प्रकार की शिथिलता व लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी, उन्होंने निर्देशित किया कि सभी जिला स्तरीय अधिकारी संबंधित लेखपालों के साथ गांवों में भ्रमण कर पंचायत सहायकों एवं अन्य कार्मिकों द्वारा किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण करें। निरीक्षण के दौरान यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक पात्र किसान का समयबद्ध पंजीकरण हो तथा अंश निर्धारण की प्रक्रिया पारदर्शी एवं त्रुटिरहित ढंग से पूर्ण की जाए। इस दौरान उन्होने निर्देशित किया कि निरीक्षण उपरांत विस्तृत रिपोर्ट उपलब्ध कराएं, जिसमें कार्य की वास्तविक प्रगति, कमियां एवं सुधारात्मक सुझाव अंकित हों। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अभियान को सफल बनाने हेतु सभी संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर लक्ष्य समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

दिव्यांगजनों को मिलेगा मौके पर समाधान, 6 मई को लगेगा मोबाइल कोर्ट'

'देवरिया। अब दिव्यांगजनों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। जनपद में 06 मई को मोबाइल कोर्ट का आयोजन किया जा रहा है, जहां मौके पर ही शिकायतों का निस्तारण किया जाएगा। यह आयोजन राज्य आयुक्त, दिव्यांगजन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देश पर किया जा रहा है। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी प्रियंका चौधरी ने बताया कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम–2016 की भावना के अनुरूप सुदूरवर्ती एवं ग्रामीण क्षेत्रों के दिव्यांगजनों को उनके अधिकारों एवं सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करने तथा उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से यह पहल की गई है। उन्होंने बताया कि 06 मई 2026 को प्रातः 10 बजे से गांधी सभागार, विकास भवन परिसर, देवरिया में एक दिवसीय मोबाइल कोर्ट आयोजित किया जाएगा, जहां दिव्यांगजन अपनी समस्याएं सीधे प्रस्तुत कर सकेंगे। उन्होंने जनपद के इच्छुक दिव्यांगजनों से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाते हुए मोबाइल कोर्ट में पहुंचकर अपनी समस्याएं प्रस्तुत करें।

फार्मर रजिस्ट्री करने के लिए किया गया जागरूक

सिन्दुरिया। विकास खण्ड मिठौरा के ग्रामसभा पतरेंगवा में शनिवार को एडीओ एजी सतीश प्रजापति, सचिव विशाल वर्मा, लेखपाल,पंचायत सहायक, रोजगार सेवक और कोटेदार द्वारा डोर टू डोर जाकर फार्मर रजिस्ट्री बनाया गया। साथ ही फार्मर रजिस्ट्री के प्रति जागरूक किया गया। किसानों के पंजीकरण कार्य को तेजी लाने के उद्देश्य से प्रशासन सक्रिय हो गया है। फॉर्मर रजिस्ट्री अभियान के तहत जिम्मेदार अधिकारी व कर्मचारी गांव–गांव जाकर डोर–टू–डोर किसानों का पंजीकरण कर रहे हैं। खंड विकास अधिकारी मिठौरा राहुल सागर ने शनिवार को ग्रामसभा पतरेंगवा में बन रहे फार्मर रजिस्ट्री का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मौके पर चल रहे रजिस्ट्रेशन कार्य का जायजा लिया। बीडीओ ने कहा कि अभियान में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिया कि किसानों को रजिस्ट्री से होने वाले लाभों की जानकारी दी जाए ।उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कृषि विभाग के अंतर्गत डोर–टू–डोर फार्मर रजिस्ट्री अभियान चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य किसानों का एक सटीक डिजिटल डेटाबेस तैयार करना है। इस अभियान के तहत लेखपाल और ग्राम विकास अधिकारी घर–घर जाकर किसानों का आधार, खतौनी और मोबाइल नंबर सत्यापित कर यूनिक किसान आईडी बना रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

फिल्म डकैत की ओटीटी रिलीज पर आया अपडेट, 8 मई को प्राइम वीडियो पर देगी दस्तक

आदिवी शेष और मृणाल ठाकुर की फिल्म डकैतरू एक प्रेम कथा ने 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। बॉक्स ऑफिस पर औसत प्रदर्शन करने के बाद, फिल्म अपने डिजिटल प्रीमियर के लिए तैयार है। शेनिल देव द्वारा निर्देशित यह एक एक्शन–रोमांटिक ड्रामा है, जिसे हिंदी और तेलुगु में साथ में फिल्माया गया था। समीक्षकों से मिली–जुली प्रतिक्रिया हासिल करने वाली यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर घर बैठे दर्शकों का मनोरंजन करने आ रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म डकैत 8 मई, 2026 को प्राइम वीडियो पर मौजूद हो सकती है। इसे कई भाषाओं में उपलब्ध कराया जाएगा जिससे साफ है कि अलग–अलग क्षेत्रों में ज्यादा से ज्यादा दर्शक इसका घर बैठकर लुत्फ उठा सकेंगे। खबरें यह भी हैं कि 6 हफ्ते सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद हिंदी संस्करण भी उसी दिन रिलीज होगा। हालांकि फिल्म की डिजिटल रिलीज को लेकर निर्माताओं का आधिकारिक बयान आना बाकी है।

यह फिल्म हरि (अदिवि) और सरस्वती उर्फ जूलियट (मृणाल) के बीच प्यार और विश्वासघात की कहानी दर्शाती है। इसकी शुरुआत 2021 से होती है, जब हरि जेल से भागने की कोशिश करता है क्योंकि उसकी प्रेमिका जूलियट उसके खिलाफ गवाही दे देती है। फिल्म में दोनों के अभिनय को लोगों की काफी सराहना मिली है। इसमें अदिवि और मृणाल के अलावा, अनुराग कश्यप, अतुल कुलकर्णी, प्रकाश झा और जैन मैरी जैसे सितारे भी हैं।

भूत बंगला का किला 14वें दिन डगमगाया, 150 करोड़ रुपये कमाने से इतनी दूर फिल्म

अक्षय कुमार की फिल्म भूत बंगला अपने दूसरे हफ्ते में पहुंचकर डगमगाने लगी है। आगे का रास्ता और भी मुश्किल होने वाला है, क्योंकि धनुष की फिल्म कारा ने पहले दिन अच्छी शुरुआत की है। हालांकि ध्रुव सरजा की फिल्म केडीरू द डेविल का जोर अक्षय की फिल्म के आगे नहीं चला। उधर माइकल जैक्सन की बायोपिक फिल्म माइकल भी पहले हफ्ते में गिरावट का मुंह देख रही है। चलिए इन सभी फिल्मों की कमाई पर एक नजर डालते हैं।

सैकनिल्क के मुताबिक, भूत बंगला ने दूसरे हफ्ते में 14वें दिन 3.50 करोड़ रुपये कमाए हैं। वहीं 13वें दिन इसने 3.40 करोड़ रुपये कमाए थे। इस तरह घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म अब तक सिर्फ 1,28.15 करोड़ रुपये का नेट कारोबार कर पाई है। यह 150 करोड़ के क्लब में जगह बनाने से काफी दूर है। हालांकि धनुष की फिल्म कारा ने पहले दिन 5.75 करोड़ रुपये से अपना खाता खोला है। यह शुरुआत सकारात्मक मानी जा रही है।

ध्रुव, संजय दत्त, शिल्पा शेट्टी और नोरा फतेही जैसे सितारों से सजी केडीरू द डेविल भी 30 अप्रैल को रिलीज हुई। फिल्म ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 3.50 करोड़ रुपये से अपना खाता खोला है। यह आंकड़े भूत बंगला के 14वें दिन के आंकड़ों के बराबर है। वहीं हॉलीवुड फिल्म माइकल ने रिलीज के 7वें दिन 2.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। भारतीय बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का कुल कलेक्शन 26.05 करोड़ रुपये हो चुका है।

तुम्बाड 2 में आलिया भट्ट जमाएंगी रंग, खास किरदार से फैंस को देंगी तोहफा

सोहम शाह की तुम्बाड 2 बहुप्रतीक्षित फिल्मों की सूची में शामिल हो चुकी है। हाल ही में निर्माताओं ने फिल्म से आधिकारिक पोस्टर जारी करते हुए इसकी रिलीज पर अपडेट दिया था। अब एक और जानकारी फैंस को उत्साहित कर देगी क्योंकि फिल्म में

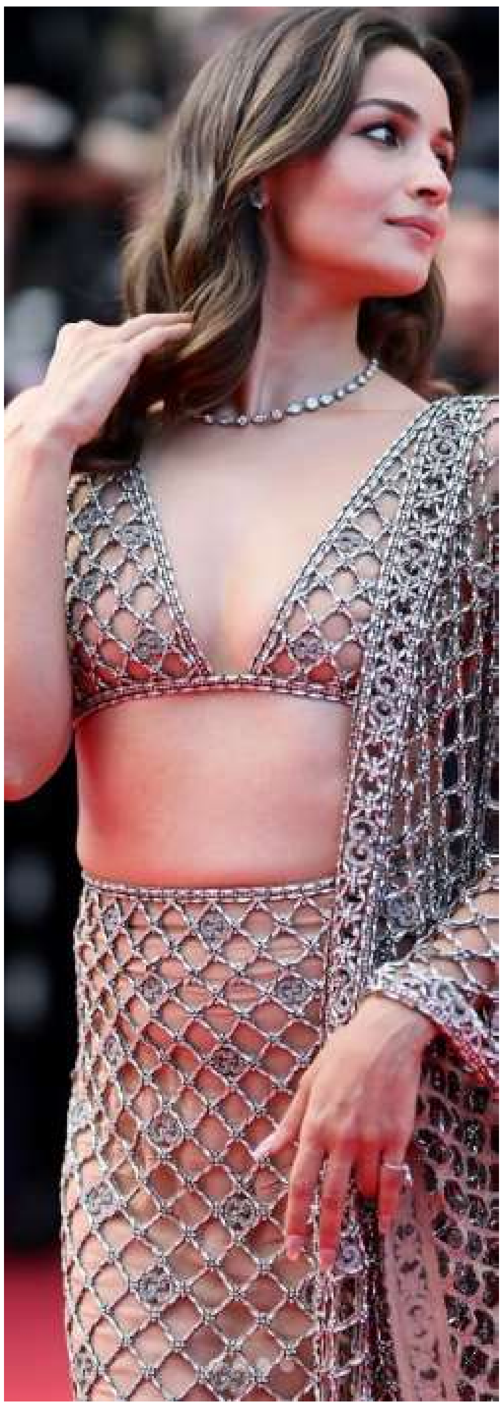

अभिनेत्री आलिया भट्ट का नाम भी जुड़ गया है। जाहिर है कि सोहम शाह फिल्म्स और पेन स्टूडियोज मिलकर तुम्बाड 2 का बड़े पैमाने पर निर्माण कर रहे हैं। वहीं आदेश प्रसाद फिल्म के निर्देशक हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, लोककथाओं पर आधारित इस हॉरर फिल्म में आलिया एक विशेष भूमिका निभाएंगी। सूत्र ने बताया, निर्माताओं को एक ऐसे कलाकार की जरूरत थी जो कम स्क्रीन टाइम में गंभीरता और रहस्य का भाव ला सके। आलिया इस भूमिका के लिए बिल्कुल उपयुक्त थीं। सूत्र ने आगे कहा कि फिल्म में आलिया एक छोटी सी भूमिका निभाएंगी जो कहानी के लिए महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगी। यही नहीं फिल्म का रोमांच भी बढ़ जाएगा।

तुम्बाड 2 की शूटिंग फिलहाल मुंबई में चल रही है। जल्द ही अभिनेत्री शूटिंग के लिए परियोजना में शामिल होंगी। इस बार नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी फिल्म का अहम हिस्सा हैं। खबरों की मानें, तो मुख्य अभिनेत्री के लिए प्रियंका चोपड़ा, नयनतारा और कैटरीना कैफ के नाम सबसे ऊपर हैं। बता दें, इस परियोजना की पहली किस्त तुम्बाड 2018 में आई थी। इसे 2024 में दोबारा रिलीज किया गया था, जिसकी सफलता को देखते हुए निर्माताओं ने सीक्वल का ऐलान किया।

स्टूडेंट्स के सपनों और संघर्षों से रूबरू कराएगी वेब सीरीज एग्जाम, अमेजन प्राइम वीडियो पर 15 मई होगी रिलीज

आज के समय में प्रतियोगी परीक्षाएं सिर्फ पढ़ाई तक नहीं, बल्कि युवाओं के संघर्ष और भविष्य की उम्मीदों से भी जुड़ चुकी हैं. लाखों स्टूडेंट अपने सपनों को पूरा करने के लिए दिन–रात मेहनत करते हैं, लेकिन इस बीच उन्हें तनाव, डर और समाज की उम्मीदों का भारी बोझ भी उठाना पड़ता है. अब इसी संवेदनशील विषय को लेकर एक नई तमिल वेब सीरीज एग्जाम दर्शकों के सामने आने वाली है.

एग्जाम वेब सीरीज अमेजन प्राइम वीडियो पर 15 मई से स्ट्रीम होने वाली है और इसके सात एपिसोड्स हैं, जो सस्पेंस, इमोशन और तनाव से भरपूर हैं. सीरीज की कहानी उन संघर्षों और मुश्किल फैसलों को भी दिखाएगी, जहां प्रतियोगी परीक्षाओं का दबाव लोगों की जिंदगी पर गहरा असर डालता है. साथ ही जब इंसान पर उम्मीदों और सफलता का बोझ बढ़ जाता है, तब वो किन मानसिक और भावनात्मक परिस्थितियों से गुजरता है.

प्राइम वीडियो इंडिया के ओरिजिनल विभाग के प्रमुख निखिल मधोक ने इस सीरीज को लेकर कहा, एग्जाम आज के दौर की जरूरी और सच्चाई दिखाने वाली कहानी है. ये सीरीज प्रतियोगी परीक्षाओं के दौरान होने वाले भावनात्मक तनाव को प्रभावशाली तरीके से दिखाती है. ये सिर्फ एक सस्पेंस कहानी नहीं है, बल्कि यह उन लाखों युवाओं की भावनाओं को सामने लाती है जो हर दिन अपने सपनों के लिए संघर्ष कर रहे हैं. मुझे भरोसा है कि यह कहानी दुनियाभर के दर्शकों को गहराई से प्रभावित करेगी.

बता दें कि इस सीरीज को राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक ए. सरकुनम ने लिखा और निर्देशित किया है. वहीं इस सीरीज में अभिनेत्री दुशारा विजयन, अभिनेता अब्बास और अदिति बालन लीड रोल में नजर आयेंगे. इस सीरीज को तमिल के साथ–साथ तेलुगु, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में भी रिलीज किया जाएगा और अंग्रेजी समेत 15 भाषाओं में सब टाइटल भी दिए जाएंगे, ताकि अलग–अलग भाषाओं के दर्शक इस कहानी से जुड़ सकें.

महिलाओं में कोलेजन की कमी की चेतावनी देते हैं ये 5 शुरुआती संकेत, न करें नजरअंदाज

कोलेजन एक ऐसा प्रोटीन है, जो हमारे शरीर में त्वचा, बाल, नाखून और हड्डियों को स्वस्थ रखने में मदद करता है। उम्र बढ़ने के साथ महिलाओं के शरीर में कोलेजन की मात्रा कम होने लगती है, जिससे त्वचा में झुर्रियां, बालों का झड़ना और नाखूनों के कमजोर होने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। आइए आज हम आपको कोलेजन की कमी के 5 ऐसे संकेत बताते हैं, जिन्हें नजरअंदाज करने की गलती नहीं करनी चाहिए।

चेहरे पर झुर्रियां होना

जैसे–जैसे उम्र बढ़ती है, महिलाओं के चेहरे पर झुर्रियां आना आम बात है। हालांकि, अगर आपको 30 की उम्र से पहले ही झुर्रियां दिखाई देने लगें तो यह कोलेजन की कमी का संकेत हो सकता है। कोलेजन की कमी के कारण त्वचा में लचीलापन कम हो जाता है, जिससे झुर्रियां जल्दी दिखने लगती हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप अपनी त्वचा की देखभाल पर ध्यान दें और कोलेजन वाले उत्पादों का उपयोग करें।

त्वचा का ढीला होना

अगर आपकी त्वचा पहले से ढीली होने लगी है तो यह भी कोलेजन की कमी का एक संकेत हो सकता है। कोलेजन की कमी होने पर त्वचा का आधार कमजोर हो जाता है, जिससे वह ढीली और सुस्त दिखने लगती है। इस समस्या से बचने के लिए नियमित रूप से अपनी त्वचा की सफाई करें और नमी देने वाले उत्पाद का उपयोग करें। इसके अलावा हाइड्रेटेड रहने के लिए पर्याप्त पानी पिएं और पौष्टिक आहार लें।

आंखों के नीचे काले घेरे होना

आंखों के नीचे काले घेरे होना भी कोलेजन की कमी का एक आम संकेत है। यह समस्या नींद की कमी, तनाव या उम्र बढ़ने के कारण हो सकती है। हालांकि, अगर आप इन कारणों से प्रभावित नहीं हैं तो यह कोलेजन की कमी का संकेत हो सकता है। इस समस्या से बचने के लिए पर्याप्त नींद लें, तनाव कम करें और आंखों की देखभाल के लिए खास ध्यान दें। ज्यादा परेशानी होने पर विशेषज्ञ से मिलें।

बालों का पतला होना

अगर आपके बाल तेजी से पतले हो रहे हैं तो यह भी कोलेजन की कमी का एक अहम संकेत हो सकता है। कोलेजन न होने पर बाल कमजोर होकर टूटने लगते हैं, जिससे उनका घनत्व कम हो जाता है और वे पतले दिखने लगते हैं। इस समस्या से बचने के लिए बालों की देखभाल पर खास ध्यान दें और पोषक तत्वों से भरपूर आहार लें, ताकि आपके बाल स्वस्थ रहें और टूटें नहीं।

नाखूनों का कमजोर होना

अगर आपके नाखून कमजोर होकर टूटने लगते हैं तो यह भी कोलेजन की कमी का एक अहम संकेत हो सकता है। कोलेजन न होने पर नाखून कमजोर होकर टूटने लगते हैं, जिससे उनका आकार बिगड़ जाता है और वे सुंदर नहीं दिखते। इस समस्या से बचने के लिए नियमित रूप से नाखूनों की सफाई करें और उन्हें नमी दें। इसके अलावा हाइड्रेटेड रहने के लिए पर्याप्त पानी पिएं और पौष्टिक आहार लें।